

वर्ष-23 अंक- 37
पृष्ठ 8
शुक्रवार
23 अक्टूबर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित

Email : shaharsamta@gmail.com

Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सिल्वर ज्वेलरी के साथ चाहिए...

विचार- अदम गोंडवी : जनजीवन और प्रतिरोध...

खेल- जलज सक्सेना ने रणजी ट्रॉफी में 35वीं...

युवाओं को सपने साकार करने के लिए प्रेरित करेगी स्वाति की सफलता-योगी

एशियन पैरा गेम्स में स्वाति चौधरी ने बढ़ाया यूपी का मान, सीएम योगी ने दी बधाई

लखनऊ, संवाददाता। एशियन पैरा गेम्स-2026 में तीरंदाजी की महिला डब्ल्यू 1 स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली उत्तर प्रदेश की बेटी स्वाति चौधरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनकी उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया। स्वाति की सफलता भारत के अनगिनत युवाओं को अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वाति चौधरी पर गर्व है। उन्होंने स्वाति के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। योगी सरकार के कार्यकाल में खेलों के विकास खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में व्यापक बदलाव देखने को मिला



है। सरकार ने खेल प्रतिभागों को निखारने के लिए प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाओं, आर्थिक सहायता, पुरस्कार और सरकारी नौकरी तक अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। उद्देश्य प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुकूल माहौल देना है। प्रदेश में स्टेडियम, बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल, स्विमिंग



पूल और सिंथेटिक कोर्ट जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। एक जनपद-एक खेल योजना के तहत सभी 75 जिलों में खेलो इंडिया सेंटर स्वीकृत किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय प्रतिभागों को प्रशिक्षण, खेल किट और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए

लखनऊ, गोरखपुर, सैफई, फतेहपुर और सहारनपुर में पांच स्पोर्ट्स कॉलेज संचालित हैं। यहां 14 खेलों में प्रशिक्षण के साथ खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा मिलती है। मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय की स्थापना खेल शिक्षा और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण को नई दिशा देने की पहल है। योगी सरकार ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सम्मान देने के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की है। ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़, रजत पदक पर चार करोड़ और कांस्य पदक पर दो करोड़ रुपये देने का प्रावधान है। लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कारों के जरिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को

सम्मानित भी किया जाता है। खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए सरकारी नौकरियों में अवसर बढ़ाए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए राजपत्रित पदों पर नियुक्ति का प्रावधान है। गांवों में खेल मैदानों के विकास और गोरखपुर व वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियमों के निर्माण से खेल सुविधाओं को और विस्तार मिलने की उम्मीद है। खेल नीति-2023 के तहत सरकार का जोर प्रतिभा की पहचान, बेहतर प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को रोजगार से जोड़ने पर है। इन पहलों के जरिए उत्तर प्रदेश में खेलों को नई पहचान देने और युवाओं के लिए बेहतर अवसर तैयार करने की कोशिश की जा रही है।



नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री जोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को नयी दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, तकनीक और आर्थिक सहयोग सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से भारत-पोलैंड संबंधों के लिए नए अवसर खुलेंगे। मोदी ने

कहा कि भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत और यूरोपीय बाजारों के साथ मजबूत होते संबंध दोनों देशों के बीच सहयोग को नई दिशा दे सकते हैं। वहीं, जोनाल्ड टस्क ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना मित्र कहने पर गर्व जताया और कहा कि भारत तथा पोलैंड के हितों में कोई टकराव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 में अपनी पोलैंड यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया था। इसके बाद पिछले दो वर्षों में द्विपक्षीय संबंध

टस्क ने कहा, मोदी को दोस्त कहने पर गर्व

ों को आगे बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। मोदी के मुताबिक, भारत और पोलैंड के रिश्ते केवल कूटनीतिक सहयोग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे साझा मानवीय मूल्यों और ऐतिहासिक संबंधों की भी अहम भूमिका है। प्रधानमंत्री ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड के लोगों को भारत में मिले आश्रय का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि जामनगर और कोल्हापुर के शाही परिवारों ने उस दौर में हजारों पोलिश बच्चों और परिवारों की मदद की थी। मोदी ने इस ऐतिहासिक प्रसंग को दोनों देशों के बीच लंबे समय से कायम मानवीय रिश्तों का प्रतीक बताया। भारत और पोलैंड के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन केस में सीजेपी नेता सौरव-आशुतोष की मुश्किलें बरकरार

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांकोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने पेश होने के लिए और समय मांगा है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अपराध शाखा ने इन दोनों नेताओं को पेश होने का निर्देश दिया था। उनके खिलाफ 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर जाने के लिए एक निजी संपत्ति में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने और लोक सेवकों के काम में बाधा डालने के आरोप में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि शांति भंग न करने का हलफनामा देने के बाद उन्हें बुधवार को रिहा कर दिया गया। हाल में दोनों मामले अपराध शाखा को भेज दिए गए थे। पुलिस सूत्रों ने कहा कि दास और रांका ने अपराध शाखा के सामने पेश होने के लिए और समय मांगा है तथा गुरुवार को उनसे पूछताछ नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस दोनों को नए सिरे से नोटिस जारी कर जांच में शामिल होने का निर्देश दे सकती है। दोनों ने हलफनामे में कहा है कि वे जंतर मंतर के निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से बाहर रहने तक वहां विरोध प्रदर्शन का आह्वान नहीं करेंगे। सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में हिरासत में लिए जाने के बाद दास और रांका को शुरुआत में 14 अक्टूबर को पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

रायपुर पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू: राज्यपाल डेका और सीएम साय ने किया जोरदार स्वागत, कहा- ये गौरव का पल

रायपुर, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रायपुर पहुंचीं। इस दौरान स्वामी शिवेकानंद एयरपोर्ट माना ने राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान मंत्री विजय शर्मा, मंत्री खुशवंत साहेब, मंत्री राजेश अग्रवाल, मंत्री ओपी चौधरी, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद विजय बघेल समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

रेहान वाड्रा की प्रदर्शनी से हटाई गई 70 से ज्यादा तस्वीरें

भड़कीं प्रियंका गांधी बोलीं, मुझे आप पर गर्व है

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने बेटे एवं फोटोग्राफर रेहान वाद्रा की प्रदर्शनी से हाल के विरोध प्रदर्शनों की तस्वीरें हटाए जाने के मामले में बृहस्पतिवार को कहा कि जब सत्ता में बैठा कोई व्यक्ति किसी और की अभिव्यक्ति से डरने लगता है तो उसे इसका एहसास नहीं होता, लेकिन वह उस ताकत को पहले ही खो चुका होता है, जिसे वह बचाने की कोशिश कर रहा होता है। प्रियंका गांधी की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब रेहान ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के बीकानेर हाउस में उनकी एकल प्रदर्शनी शुरू होने से कुछ घंटे पहले हाल के विरोध प्रदर्शनों की उनकी कई तस्वीरें हटा दी गईं। कांग्रेस नेता ने एक्स पर अपने बेटे के नाम लिखे संदेश में कहा, जब सत्ता में बैठा कोई व्यक्ति किसी और की अभिव्यक्ति से डरने लगता है तो उसे इसका एहसास नहीं होता, लेकिन वह उस ताकत को पहले ही खो चुका होता है, जिसे वह बचाने की कोशिश कर रहा होता है। आप



सही के लिए खड़े रहो और हर खूबसूरत चीज खुद आपके पास आएगी। मुझे आप पर गर्व है और हमेशा रहेगा। रेहान ने बुधवार को कहा था कि प्रदर्शनी के पूर्वावलोकन (प्रिव्यू) से कुछ घंटे पहले उन्हें बताया गया कि यदि तस्वीरें शाम पांच बजे तक नहीं हटाई गईं तो प्रदर्शनी रद्द कर दी जाएगी। उनके मुताबिक, प्रदर्शनी के लिए उन्होंने विस्तृत प्रस्ताव और प्रारूप पहले ही बीकानेर हाउस प्रबंधन के साथ साझा कर दिया था। उन्होंने कहा था कि प्रदर्शनी में शुरुआत में वन्यजीवन, अमूर्त कला और भारत में हाल में हुए युवाओं के

विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी तस्वीरों सहित 100 से अधिक तस्वीरें थीं तथा इनमें से 70 से अधिक तस्वीरें हटा दी गईं और करीब 40 तस्वीरें ही प्रदर्शित की गईं। रेहान ने कहा था कि हटाई गई तस्वीरों में कोई राजनीतिक संदेश नहीं था और वे पिछले छह महीनों में हुए विरोध प्रदर्शनों को तस्वीरों के जरिए दर्ज करने का प्रयास थीं। रेहान के अनुसार, बीकानेर हाउस प्रशासन ने तस्वीरें हटाने के पीछे मौजूदा राजनीतिक माहौल का हवाला देते हुए कहा था कि इन तस्वीरों को प्रदर्शित करने का यह सही समय नहीं है।

सोनिया गांधी की इंस्टाग्राम पर एंट्री, पहली पोस्ट में दिखाई अपनी पुस्तक बिलॉनिंग की झलक

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपने पेज की शुरुआत की और उन्होंने उस पर अपनी पुस्तक बिलॉनिंग ए जर्नी ऑफ लव की पहली झलक साझा की है। उन्होंने पहली बार किसी सोशल मीडिया मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। सोनिया गांधी ने इंस्टाग्राम पर अपनी पहली पोस्ट में पुस्तक की झलक पेश करते हुए कहा कि वह इस खास पल को सभी के साथ साझा कर रही हैं और सभी की बेहद आभारी हैं। उन्होंने कहा, सभी को नमस्कार। बिलॉनिंग ए जर्नी ऑफ लव की पहली झलक आप सभी के साथ साझा करते हुए मैं वास्तव में बहुत आभारी हूँ।

उन्होंने पुस्तक के विषय का उल्लेख करते हुए कहा कि यह प्रेम, कर्तव्य और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी है। सोनिया गांधी ने कहा कि वह इस पुस्तक को पाठकों के साथ साझा करने को लेकर उत्सुक हैं।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दी अमित शाह को जन्मदिन की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन के अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने शुभकामनाएं दी हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्रीय सुरक्षा और एक प्रगतिशील, विकसित भारत के प्रति उनका अटूट संकल्प वास्तव में प्रेरणादायक है। हम उनके अच्छे स्वास्थ्य, शक्ति और राष्ट्र सेवा में उनके दीर्घायु होने की कामना करते हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, हमारे नेता और प्रेरणास्रोत केंद्रीय गृह मंत्री अमितभाई शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। पार्टी और राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हम सभी को निरंतर प्रेरित करती है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपका निर्णायक नेतृत्व, अटूट समर्पण और हमारे राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता तथा प्रगति के प्रति आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता पूरे भारत में लाखों लोगों को प्रेरित करती है। इस शुभ अवसर पर, मैं मां दुर्गा से प्रार्थना करता हूँ कि वे आपको उत्तम स्वास्थ्य, सुख और मातृभूमि की सेवा में समर्पित एक दीर्घायु प्रदान करें। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया, असम के लोगों की ओर से मैं अमित शाह को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। इस विशेष दिन पर मैं मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव से प्रार्थना करता हूँ कि वे राष्ट्र सेवा के उनके प्रयासों में उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद दें।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं भगवान बुद्ध से प्रार्थना करता हूँ कि वे आपको उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करें तथा राष्ट्र की सेवा करते रहने के लिए आपको शक्ति दें। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र



Website
www.shaharsamta.com



Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

PRESS

हमेशा आपके साथ



शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

नैनी में दर्दनाक हादसा– गाड़ी की चपेट में आकर आठ साल की बच्ची की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी स्थित प्रयाग पुरम में बृहस्पतिवार दोपहर दर्दनाक हादसे में आठ वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बच्ची स्कूल से घर पहुंची थी। आरोप है कि उसे गाड़ी से उतारने के बाद चालक ने वाहन आगे बढ़ा दिया, जिसकी चपेट में बच्ची आ गई। घटना के बाद मोहल्ले के लोगों ने चालक को रोककर पुलिस को सूचना दी। नैनी क्षेत्र के प्रयाग पुरम में बृहस्पतिवार दोपहर दर्दनाक हादसे में आठ वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की पहचान तत्कनी उदयांशी पाठक के रूप में हुई है। वह दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में तीसरी कक्षा में पढ़ती थी। बच्ची के पिता मनीष कुमार पाठक दिल्ली में नौकरी करते हैं। बृहस्पतिवार दोपहर बच्ची को स्कूल से घर छोड़ने के लिए एक गाड़ी आई थी। बताया जा रहा है कि बच्ची को गाड़ी से उतारने के बाद चालक ने वाहन आगे बढ़ा दिया। इसी दौरान बच्ची गाड़ी की चपेट में आ गई। हादसे में उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद मोहल्ले के लोगों ने चालक को रोक लिया और डायल ११२ पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस चालक को थाने ले गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल रहा। पुलिस की ओर से घटना के संबंध में आधिकारिक जानकारी और हादसे की परिस्थितियों की पुष्टि होने के बाद ही अन्य तथ्य स्पष्ट हो सकेंगे।

देवलाली–दानापुर स्पेशल ट्रेन के फेरे बढ़े,

मऊ–मुंबई सेंट्रल के समय में बदलाव

प्रयागराज। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने देवलाली–दानापुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन के फेरों में विस्तार करने का निर्णय लिया है। साथ ही, मऊदुमुंबई सेंट्रल साप्ताहिक विशेष ट्रेन की समय–सारिणी में भी आंशिक संशोधन किया गया है। त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने देवलाली–दानापुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन के फेरों में विस्तार करने का निर्णय लिया है। साथ ही, मऊदुमुंबई सेंट्रल साप्ताहिक विशेष ट्रेन की समय–सारिणी में भी आंशिक संशोधन किया गया है। गाड़ी संख्या ०१०५३ (देवलाली–दानापुर विशेष ट्रेन) दो अतिरिक्त फेरे शनिवार, यानी २४ और ३१ अक्तूबर को लगाएगी। वहीं, गाड़ी संख्या ०१०५४ (दानापुर–देवलाली विशेष ट्रेन) दो अतिरिक्त फेरे सोमवार, २६ अक्तूबर और ०२ नवंबर को लगाएगी।

इसके अलावा, गाड़ी संख्या ०९१८४ (मऊ–मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक विशेष ट्रेन) के बनारस और ज्ञानपुर रोड स्टेशनों के समय में भी बदलाव किया गया है। संशोधित समय–सारिणी के मुताबिक, यह ट्रेन बनारस स्टेशन पर अपने पूर्व निर्धारित आगमन समय दोपहर ०२रू५५ बजे पहुंचेगी लेकिन अब यह पहले के ०३रू४५ बजे के प्रस्थान समय के मुकाबले ४० मिनट पहले यानी ०३रू०५ बजे ही मऊ के लिए रवाना हो जाएगी। इसी प्रकार, ज्ञानपुर रोड स्टेशन पर इस ट्रेन का नया आगमन समय शाम ०४रू४० बजे और प्रस्थान समय ०४.४५ बजे निर्धारित किया गया है। समय में यह बदलाव २३ अक्तूबर से प्रभावी हो जाएगा।

कार के चपेट में आने से बाइक सवार

छात्र की मौत, चचेरा भाई घायल

प्रयागराज। कस्बे के हंडिया–जंघई मार्ग पर बृहस्पतिवार दोपहर तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पीछे बैठा चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। कस्बे के हंडिया–जंघई मार्ग पर बृहस्पतिवार दोपहर तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पीछे बैठा चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने कार सहित चालक को हिरासत में ले लिया है। हंडिया के अमोरा (कपिसान) गांव निवासी जयप्रकाश मिश्र का इकलौता बेटा रजत (१९) स्थानीय कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष का छात्र था। बृहस्पतिवार को वह अपने चचेरे भाई ऋषभ उर्फ महाबली (१४) के साथ बाइक से सिपाडीह हंडिया में रिश्तेदारी के लिए घर से निकला था। दोपहर लगभग १२रू३० बजे दोनों हंडिया के जंघई मार्ग पर पहुंचे कि सामने से तेज रफ्तार से आ रही कार की चपेट में आ गए। जोरदार टक्कर से बाइक सहित दोनों सड़क पर दूर जा गिरे। गंभीर रूप से घायल बाइक चालक रजत की मौके पर ही मौत हो गई। पीछे बैठा चचेरा भाई ऋषभ उर्फ महाबली गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने कार सहित चालक को हिरासत में ले लिया। जानकारी मिलते ही परिजन भी पहुंच गए। गंभीर रूप से घायल ऋषभ को शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। कोतवाल ओमप्रकाश ने बताया कि प्राथमिक की दर्ज करके कार्रवाई की जा रही है।

इकलौते बेटे की मौत से परिवार का चिराग बुझ गया। वह दो बहन अंजली(२१) और एकता(१७) में अकेला भाई था। बेटे की मौत की खबर सुनते ही बिलखती माता नीलम बेसुध हो गई। इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

हंडिया थाना क्षेत्र के रावतपुर मानिकपुर गांव के पास बृहस्पतिवार की भोर में अचानक सड़क पार कर रहे एक जानवर को बचाने में अनियंत्रित होकर ट्रॉली सहित ट्रैक्टर पलट गया जिससे गंभीर रूप से घायल चालक की अस्पताल में मौत हो गई। हंडिया थाना क्षेत्र के भिदिउरा बमैला गांव निवासी अशोककुमार हरिजन का बेटा आकाशकुमार (२३) गांव के ही एक ट्रैक्टर स्वामी का ट्रैक्टर चालक था। बृहस्पतिवार की भोर में ५ बजे के करीब वह ट्रैक्टर लेकर रावतपुर (मानिकपुर) गांव के सामने से होकर गुजर रहा था। अचानक सड़क पर आए जानवर को बचाने में ट्रैक्टर पलट गया। आसपास के लोगों द्वारा घटना की जानकारी ट्रैक्टर मालिक को दी गई। मौके पर पहुंचे ट्रैक्टर स्वामी द्वारा घटना तथा चालक को अस्पताल ले जाने की जानकारी उसके परिवार को दी गई।गंभीर रूप से घायल चालक आकाश की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। कोतवाल ओमप्रकाश ने बताया कि पिता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संगमनगरी में रात में बढ़ेगी ठंड, सात दिन में २ से ३ डिग्री तक गिरेगा पारा

प्रयागराज। प्रयागराज में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। दिन में तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान ३४ डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जबकि रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले २४ घंटे में न्यूनतम तापमान ३.४ डिग्री गिरकर १८.६ डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले सात दिनों में रात का पारा दो से तीन डिग्री और गिर सकता है। दिन की अपेक्षा अब रात में ठंड बढ़ने लगी है। ऐसे में अगर आप रात के समय घर से निकलते समय थोड़ा मोटे कपड़े पहनकर निकलना जरूरी है। क्योंकि पिछले दो दिनों के अंदर दिन और रात के तापमान में दोगुने का अंतर आया है। एक तरफ जहां इन दिनों दिन के समय अधिकतम तापमान में धूप निकलने के कारण ३४ डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है।

हाईकोर्ट : तीन सप्ताह में परियोजना को मंजूरी दें नहीं तो प्रमुख सचिव वित्त उपस्थित हों, नगर आयुक्त ने पेश किया

प्रयागराज। प्रयागराज में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या दूर करने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने ड्रेनेज परियोजना को तीन सप्ताह में वित्तीय मंजूरी देने का आदेश दिया है। ऐसा नहीं होने पर प्रमुख सचिव वित्त को व्यक्तिगत रूप से पेश होना पड़ेगा। योजना में नालों की क्षमता बढ़ाने, नए नालों के निर्माण और मोरी गेट पंपिंग स्टेशन के उन्नयन का प्रस्ताव है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज में जलभराव की समस्या पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने वित्त विभाग को छह अक्तूबर २०२६ के शासनादेश से ड्रेनेज सिस्टम को लेकर स्वीकृत परियोजना को तीन सप्ताह में वित्तीय मंजूरी देने और अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। ऐसा नहीं होने पर प्रमुख सचिव वित्त को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ेगा।

यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने स्वतरू संज्ञान याचिका पर दिया है। नगर आयुक्त शीलम साई तेजा ने कोर्ट में प्रस्तावित और चल रही परियोजनाओं का

बड़े गड्ढे बनाने की संभावना पर भी विचार करने का आदेश दिया है, जिससे पानी ओवरफ्लो न हो। कोर्ट ने नगर निगम कन्स्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज, यूपी जल निगम (अर्बन) को तत्काल टेंडर नोटिस

नक्शा पेश किया। इसमें मौजूदा नालों की क्षमता बढ़ाने, समानांतर नए नालों के निर्माण और मोरी गेट पंपिंग स्टेशन के उन्नयन का प्रस्ताव है। कोर्ट ने नालों की क्षमता, शहर की भौगोलिक बनावट और बारिश के पानी की मात्रा का तकनीकी आकलन कराने के लिए कहा है। नालों के संगम स्थलों पर

नगर निगम के प्लान बनाए गए हैं।

जारी करने के लिए कहा है, ताकि वित्तीय मंजूरी मिलते ही ४० दिन के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूरी हो सके। कोर्ट ने जवाहर लाल नेहरू रोड और महात्मा गांधी मार्ग समेत अन्य स्थानों पर नालों के ऊपर बने स्थायी पेवमेंट, गेट, दीवार और निर्माण हटाने का आदेश दिया है। वहीं, पंपिंग

यूपी की पहली और देश की दूसरी स्लीपर वंदे भारत ३1 अक्तूबर से पटरी पर, पीएम दिखा सकते हैं हरी झंडी

प्रयागराज। राजधानी नई दिल्ली और वाराणसी के बीच जल्द ही स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन शुरू होने की उम्मीद है। ३१ अक्तूबर को वाराणसी में विशेष कार्यक्रम के दौरान ट्रेन को हरी झंडी दिखाई जा सकती है। नियमित संचालन की तारीख को लेकर रेलवे की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

राजधानी नई दिल्ली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के बीच देश की दूसरी और यूपी की पहली स्लीपर वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन जल्द शुरू होने जा रहा है।

खास बात यह है कि इस हाई–स्पीड स्लीपर ट्रेन का शुभारंभ आगामी ३१ अक्तूबर को वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान किए जाने की तैयारी है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव संयुक्त रूप से इस ट्रेन को हरी झंडी

धी, जो अब सच साबित होने जा रही है। ३१ अक्तूबर को इस ट्रेन का संचालन एक स्पेशल ट्रेन के रूप में किया जाएगा। वहीं, यह ट्रेन नियमित रूप से कब से पटरी पर दौड़ेगी, इसको लेकर रेलवे की ओर से जल्द ही आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी किए जाने की उम्मीद है।

बता दें अखबार ने पिछले

स्लीपर वंदे भारत को सुबह ११ बजे वाराणसी से चलाया जा सकता है। प्रयागराज, कानपुर सेंट्रल एवं अलीगढ़ जंक्शन पर इसके स्वागत के कार्यक्रम की भी तैयारी है। हालांकि रेलवे अफसर अभी इस ट्रेन के संचालन से जुड़ी आधिकारिक जानकारी देने से बच रहे हैं।

नियमित होने पर सप्ताह में

५रू५५ बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। वहीं वापसी की दिशा में, नई दिल्ली से वाराणसी जाने वाली ट्रेन संख्या २७४२२ रात ९रू४० बजे नई दिल्ली से छूटेगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह ४रू४५–४रू५० बजे प्रयागराज और सुबह ६रू४५ बजे वाराणसी पहुंचेगी। इसके संचालन की तिथि जल्द ही आने की उम्मीद है।

काशी एयर शो का रिमोट प्रयागराज के हाथ, मध्य वायु कमान मुख्यालय से होगी हर गतिविधि की मानिटरिंग

प्रयागराज। वाराणसी में २२, २४ एवं २५ अक्तूबर का होने वाले भारतीय वायुसेना के एयर शो का केंद्र बिंदु संगम नगरी ही रहेगी। काशी के नमो घाट पर होने वाले इस रोमांचक हवाई प्रदर्शन की कमान प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय के हाथों में है, यहीं से पूरे आयोजन की सूक्ष्म मॉनिटरिंग की जा रही है। वाराणसी में २२, २४ एवं २५ अक्तूबर का होने वाले भारतीय वायुसेना

के एयर शो का केंद्र बिंदु संगम नगरी ही रहेगी। काशी के नमो घाट पर होने वाले इस रोमांचक हवाई प्रदर्शन की कमान प्रयागराज स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय के हाथों में है, यहीं से पूरे आयोजन की सूक्ष्म मॉनिटरिंग की जा रही है। इस ऐतिहासिक आयोजन के तहत तमाम लड़ाकू विमान प्रयागराज के बमरौली के रनवे से उड़ान भरकर वाराणसी के लिए रवाना होंगे। नमो घाट के ऊपर अपनी कलाबाजियों और करतबों का अद्भुत जादू दिखाने के बाद ये सभी विमान वापस सुरक्षित प्रयागराज ही लौटेंगे। जब ये फाइटर जेट्स रहिर्सल या मिशन के लिए आकाश में विचरते हैं, तो उनकी तेज

दहाड़ पूरे प्रयागराज के आसमान में गूंज उठती है। बता दें भारतीय वायु सेना के इस वृहद प्रदर्शन में कुल १०० अत्याधुनिक विमान हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें ५२ लड़ाकू विमान, १५ परिवहन विमान, ३२ हेलीकॉप्टर और एक ऐतिहासिक विमान आदि शामिल है। देश के १२ प्रमुख वायु अड्डों से उड़ान भरने वाले इस बेड़े में प्रयागराज मुख्य केंद्र के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। वायु सेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम अपने ९ विमानों के साथ आसमान में इंद्रधनुषी कला दिखाएगी, जबकि सुखोई–३० एमकेआई, मिराज–२०००, राफेल, एलसीए, मिग–२९ और जगुआर जैसे फाइटर जेट्स आसमान में पराक्रम का नया इतिहास रवेंगे। इसके साथ ही, गंगा की लहरों से महज कुछ मीटर ऊपर हवा में चिन्नक हेलीकॉप्टर का स्थिर हो जाना और वायु सेना के गरुड़ विशेष बल का पराक्रम इस शो में चार चांद लगाएगा। इससे पहले प्रयागराज ने आठ अक्तूबर २०२३ को वायुसेना की ९१वीं वर्षगांठ पर अपने आसमान में एयर शो का ऐसा ही विहंगम नजारा देखा था। इस बार संगम नगरी की भूमिका एयर शो के कंट्रोलिंग की है।

स्टेनली रोड–मलाक हरहर सिक्सलेन पुल की लोड टेस्टिंग शुरू, १५ नवंबर से दौड़ेगे वाहन

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा नदी पर बन रहे सिक्सलेन पुल से जल्द ही फर्राटा भरने की उम्मीद बढ़ गई है। स्टेनली रोड से मलाक हरहर तक निर्माणाधीन पुल पर लोड टेस्टिंग शुरू हो गई है। भारी वाहनों को पुल पर खड़ा करके उसकी भार सहने की क्षमता और दबाव की जांच की जा रही है। टेस्टिंग पूरी होने के बाद पुल को यातायात के लिए खोलने की दिशा में आगे की प्रक्रिया बढ़ेगी। गंगा नदी पर स्टेनली रोड से मलाक हरहर तक निर्माणाधीन सिक्स लेन पुल पर लोड टेस्टिंग का काम शुरू हो गया है। इस दौरान पुल बेली नाले के ऊपर व मलाका के पास पुल के भाग की लोड टेस्टिंग हुई। इस दौरान भारी वाहनों को पुल के कम्पलीट हिस्से पर खड़ा करके देखा गया कि कितने मिली मीटर पुल दब रहा है। फिलहाल तीन दिन से चल रही टेस्टिंग के नतीजे सकारात्मक देखने को मिले हैं। ऐसे में १५ नवंबर से पुल की एक लेन शुरू होने की पूरी संभावना है। पुल पर एक साथ २५ से ३० भारी वाहनों को खड़ा करके यह परीक्षण किया जा रहा है। यह लोड टेस्टिंग १० से १५ दिनों तक जारी रहेगी। लोड टेस्टिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुल की एक लेन पर आवागमन शुरू होगा। इस पुल का निर्माण १९४७ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जा रहा है। इसके बनने से लखनऊ, अयोध्या और प्रतापगढ़ आने–जाने की राह काफी आसान हो जाएगी। ९.८०० किलोमीटर लंबे सिक्सलेन पुल में कई जगह क्रॉस बैरियर लगाने का काम चल रहा है। ऐसे में क्रॉस बैरियर लगाने के साथ पुल की टेस्टिंग का काम १० नवंबर तक पूरी होने की संभावना है। ऐसे में १५ नवंबर से लखनऊ की तरफ जाने वाली लेन को शुरू कर दिया जाएगा। इसके करीब एक महीने बाद यानि १५ दिसंबर से पुल की दूसरी लेन पर आवागमन शुरू हो जाएगा।

स्टेशन और वाटर कैचमेंट टैंक के लिए केपी ट्रस्ट की जमीन को ९० साल की लीज के लिए अधिग्रहण की संभावना पर विचार करने के लिए कहा है। इस संबंध में अगली सुनवाई पर रिपोर्ट पेश करनी होगी। कोर्ट ने मामले में प्रमुख सचिव वित्त और गंगा प्रदूषण बोर्ड के माध्यम से यूपी जल निगम (ग्रामीण) को पक्षकार बनाया है।

५० साल तक न हो जलभराव, ऐसा ड्रेनेज मास्टर प्लान बनाएं रू कोर्ट

कोर्ट ने जलभराव की समस्या पर मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के पर्यावरण एवं सिविल इंजीनियरिंग विभाग के चार प्रोफेसरों से तकनीकी मदद लेने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि शहर का ड्रेनेज मास्टर प्लान ऐसा तैयार किया जाए, जिससे ५० साल तक भारी बारिश में भी बाढ़ जैसे हालात न बनें।

छह दिन चलेगी स्लीपर वंदे भारत

स्लीपर वंदे भारत नियमित होने के बाद सप्ताह में छह दिन संचालित होगी। शनिवार को इसका संचालन नहीं होगा।

वाराणसी से नई दिल्ली के लिए ट्रेन संख्या २७४२१ रात ८रू५० बजे वाराणसी से रवाना होगी और रात १०रू३५ बजे प्रयागराज पहुंचेगी। यहां पांच मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन रात १०रू४० बजे बढेगी। इसके बाद रात १२.४०–१२.४५ बजे कानपुर सेंट्रल होते हुए यह ट्रेन अगले दिन सुबह ५रू५५ बजे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। वहीं वापसी की दिशा में, नई दिल्ली से वाराणसी जाने वाली ट्रेन संख्या २७४२२ रात ९रू४० बजे नई दिल्ली से छूटेगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह ४रू४५–४रू५० बजे प्रयागराज और सुबह ६रू४५ बजे वाराणसी पहुंचेगी। इसके संचालन की तिथि जल्द ही आने की उम्मीद है।

प्रयागराज से दिल्ली का सफर होगा आसान, रात में ट्रेन पकड़िए और सुबह पहुंचिए राजधानी

प्रयागराज। प्रयागराज से दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी रेल सुविधा मिलने की उम्मीद है। वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के प्रस्तावित टाइम टेबल में प्रयागराज को ठहराव दिया गया है। ट्रेन रात में प्रयागराज से रवाना होकर सुबह दिल्ली पहुंचाएगी। जानिए ट्रेन का नंबर, प्रयागराज में आने–जाने का समय और कोच से जुड़ी अहम जानकारी।

वाराणसी से नई दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन प्रयागराज के यात्रियों के लिए भी बड़ी राहत लेकर आ सकती है। प्रस्तावित समय सारिणी के अनुसार, ट्रेन प्रयागराज जंक्शन पर भी रुकेगी। इससे शहर के यात्रियों को राजधानी दिल्ली आने–जाने के लिए रात में तेज और आरामदायक रेल यात्रा का विकल्प मिलेगा। ट्रेन के ३१ अक्टूबर को शुरू होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इसे हरी झंडी दिखा सकते हैं। प्रस्तावित समय सारिणी कं मुताबिक, वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली ट्रेन संख्या २७४२१ रात ८रू५० बजे रवाना होगी और रात १०रू३५ बजे प्रयागराज पहुंचेगी। यहां पांच मिनट ठहराव के बाद ट्रेन रात १०रू४० बजे दिल्ली के लिए रवाना होगी। इसके बाद ट्रेन कानपुर सेंट्रल होते हुए अगले दिन सुबह ५.५५ बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

वहीं, नई दिल्ली से वाराणसी जाने वाली ट्रेन संख्या २७४२२ रात ९रू४० बजे रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह ४रू४५ बजे प्रयागराज पहुंचेगी और पांच मिनट ठहराव के बाद सुबह ४रू५० बजे वाराणसी के लिए रवाना होगी। वाराणसी में इसके सुबह ६रू४५ बजे पहुंचने का समय निर्धारित बताया गया है।

जानकारी के मुताबिक, वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सप्ताह में छह दिन संचालित होगी। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, यह ट्रेन शुक्रवार को नई दिल्ली से और शनिवार को वाराणसी से नहीं चलेगी। हालांकि, यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने से पहले रेलवे की आधिकारिक समय सारिणी और परिचालन संबंधी अंतिम घोषणा की पुष्टि करनी चाहिए। इस आधुनिक ट्रेन में कुल १६ एलएचबी वातानुकूलित कोच होने की जानकारी दी गई है। इनमें एक प्रथम वातानुकूलित, चार द्वितीय वातानुकूलित और ११ तृतीय वातानुकूलित कोच शामिल होंगे। ट्रेन की कुल यात्री क्षमता करीब ८२३ बताई जा रही है। इसका प्राथमिक रखरखाव वाराणसी में होगा, जबकि प्रयागराज और कानपुर सेंट्रल में पानी भरने की व्यवस्था प्रस्तावित है। वंदे भारत स्लीपर के संचालन से प्रयागराज और दिल्ली के बीच रात में यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर विकल्प मिल सकता है। नौकरी, कारोबार, शिक्षा और अन्य जरूरी कार्यों से दिल्ली जाने वाले यात्री रात में सफर करके सुबह राजधानी पहुंच सकेंगे। इससे दिन के समय का उपयोग करना भी आसान होगा। जानकारी के मुताबिक, ३१ अक्टूबर को वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर के अलावा बनारस सिटी–प्रयागराज रामबाग मेमू, बनारस सिटी–राजा तालाब मेमू और वाराणसी–साबरमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाए जाने की संभावना है।

एमएलसी चुनाव में डुप्लीकेट वोटर की शिकायत, डीएम ने शुरू कराई जांच

प्रयागराज। इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक चुनाव–२०२६ के लिए २३ अक्तूबर को मतदान होना है, लेकिन इससे ठीक पहले मतदाता सूची में कई डुप्लीकेट मतदाताओं के शामिल होने की शिकायत की गई है। इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक चुनाव–२०२६ के लिए २३ अक्तूबर को मतदान होना है, लेकिन इससे ठीक पहले मतदाता सूची में कई डुप्लीकेट मतदाताओं के शामिल होने की शिकायत की गई है। बुधवार को भाजपा नेताओं ने जब डीएम मनीष कुमार वर्मा को साक्ष्य समेत ज्ञापन सौंपा तो उन्होंने मामले की जांच शुरू करा दी। हालांकि, मतदाता सूची में संशोधन का समय अब नहीं रह गया है। ऐसे में डीएम ने डुप्लीकेट मतदाताओं को एक से अधिक जगह मतदान से रोकने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं और डुप्लीकेट मतदाताओं की अलग से लिस्ट तैयार करने के लिए कहा है। निरर्तमान भाजपा प्रदेश महामंत्री व एमएलसी अनूप गुप्ता के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपकर डीएम को बताया गया कि इलाहाबाद–झांसी निर्वाचन खंड में प्रभावशाली स्नातक नेताओं ने दो से तीन बार एक ही नाम के मतदाता बनवा दिए हैं। २४ वर्ष से कम आयु का कोई भी व्यक्ति स्नातक चुनाव में वोट देने के लिए पात्र नहीं है लेकिन झांसी व अन्य जिलों की मतदाता सूची में मतदाताओं की उम्र बहुत कम है। ज्ञापन में कहा गया है कि सूची में जिनकी जन्मतिथि २००१, २००२, २००३, २००४ और २००५ है वे स्नातक चुनाव में मतदान की अर्हता नहीं रखते। इसके अलावा मतदाता सूची में बहुत काफी संख्या में डुप्लीकेट मतदाता शामिल हैं। इसके पूर्व भी ऐसे ही मतदाता सूची में बोगस मतदाताओं को शामिल किया गया था जिससे चुनाव प्रभावित हुआ था। इस बार भी इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में इस तरह की गड़बड़ी देखी जा सकती है। झांसी की मतदाता सूची में जिनकी जन्मतिथि २००२ के बाद है उनको सूची से हटाया जाए। मांग की गई कि ऐसे सभी फर्जी बोगस मतदाताओं को वोट देने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। यह मांग भी की गई कि स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के सभी मंडलायुक्तों, जिला निर्वाचन अधिकारियों को सूचित किया जाए कि इस विषय पर ठोस कार्रवाई करें। ज्ञापन देने वालों में राज्यसभा सांसद राधाकांत ओझा, प्रदेश प्रवक्ता आशीष गुप्ता, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, विधायक फूलपुर दीपक पटेल, विधायक शहर पश्चिमी सिद्धार्थ नाथ सिंह, आशुतोष पांडेय, राजेश गोंड आदि शामिल रहे।

सपा नेता विनोद चंद्र दुबे का कहना है कि मीरापुर निवासी मतदाताओं का मतदान केंद्र सिविल लाइंस स्थित ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में बना दिया गया है और सिविल लाइंस के मतदाताओं को वोट देने के लिए मीरापुर जाना होगा। उन्होंने अधिक दूरी पर मतदान केंद्र बनाने पर सवाल उठाए हैं। मतदान के लिए मतदान दल २२ अक्तूबर सुबह आठ बजे कचहरी रोड स्थित मेरी लूक्स स्कूल से रवाना होगी। प्रयागराज में १५२ बूथ बनाए गए हैं। इस बार मतदाताओं की संख्या में दोगुनी बड़ोती हुई है। पिछली बार इलाहाबाद–झांसी खंड निर्वाचन क्षेत्र के तहत प्रयागराज में तकरीबन ६२ हजार मतदाता पंजीकृत थे जबकि इस बार एक लाख १५ हजार १९ मतदाता हैं। इनमें ७९८२३ पुरुष और ३५१९६ महिला मतदाता शामिल हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी उप्पा पांडेय ने मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने संबंधित एक ही भाग संख्या पर मतदान करें। यह उन मतदाताओं के लिए है जिनका नाम त्रुटिवश अन्य तहसील या भाग संख्या की मतदाता सूची में पंजीकृत है। ऐसा करने से निर्वाचन शांतिपूर्ण और सक्षुशल संपन्न कराने में सहयोग मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि दो स्थानों पर मतदान करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। भाजपा नेताओं के ज्ञापन से मतदाता सूची में डुप्लीकेट मतदाताओं के शामिल होने की शिकायत मिली है। इसकी जांच कराई जा रही है। बूथों पर ऐसी व्यवस्था की गई है कि कोई भी डुप्लीकेट मतदाता गलत तरीके से मतदान न कर सके।

रंगों का अद्भुत संयोजन हैं शिवशरण मिश्र की कलाकृतियाँ

कानपुर। आजाद नगर स्थित गुरुकुल आर्ट गैलरी में दिनांक 18 अक्टूबर 2026 को कला, संस्कृति एवं साहित्य के प्रति समर्पित शिवशरण मिश्र की कलाकृतियों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। स्मृतिशेष देवीशरण मिश्र को समर्पित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन कला गुरु डॉ.अभय द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर नगर के साहित्य एवं कला जगत से जुड़े अनेक गणमान्य लोगों



ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कलाकृतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार जयराम जय ने शिवशरण मिश्र की कलाकृतियों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कृतियों में कूची के सधे हुए प्रयोग के साथ रंगों और प्रकाश का अद्भुत संयोजन देखने को मिलता है। प्रदर्शनी में अश्वनी द्विवेदी, डॉ. शिरेन्द्र विद्यार्थी, प्रसिद्ध तबला वादक गोपाल चटर्जी, डॉ जहांन सिंह, राजेश अरोड़ा, सतीश गुप्ता, सुमित ठाकुर, कलाभूषण हृदय गुप्ता, समीक्षा द्विवेदी, अजय पाठक, दीपा पाठक, सृजन मिश्रा, ईशा मिश्रा, आर के शर्मा,अनिल सिंदूर और गोपाल खन्ना सहित अनेक कला एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रदर्शनी की संयोजक श्रीमती भावना मिश्र ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भयहरणनाथ धाम के श्री राम मन्दिर में 8 वें स्थापना दिवस पर हुआ भव्य पूजन

नगर पंचायत अध्यक्ष ने सभी के कल्याण की कामना
प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में गत आठ वर्ष पूर्व क्षेत्रीय मौर्य समाज द्वारा स्थापित श्री राम मन्दिर के 8 वें स्थापना दिवस के अवसर पर विधिवत पूजन करके श्री राम



दरबार का श्रृंगार पुजारी सीता राम जी की देखरेख में सम्पन्न हुआ। नगर पंचायत अध्यक्ष कटरा गुलाब सिंह अशोक कुमार मुन्ना यादव ने पूजन कार्यक्रम में प्रतिभाग कर श्री राम जी, सीता मैया व भ्राता लक्ष्मण जी तथा पवन सुत श्री सेवक बजरंग बली जी का पूजन कर धाम के सर्वांगीण विकास व सभी के कल्याण की कामना की। वहीं अध्यक्ष जी ने नगर पंचायत द्वारा हो रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया और आवश्यक निर्देश के साथ सभी का उत्साह बढ़ाया। यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि यह श्री राम मन्दिर मौर्य समाज के सामूहिक श्रम व संसाधन से बनाने में 45 वर्ष लगे। 22 अक्टूबर 2018 को श्री राम मन्दिर का भव्य शुभारंभ हुआ था। 8 वें स्थापना दिवस के अवसर प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में विवेक मिश्र, आलोक सिंह, संजय तिवारी, कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम शामिल रहे।

राम ने यादव को मारा, अली के पास हैं

यूपी एमएलसी चुनाव की वोटर लिस्ट कर रही हैरान, गड़बड़ी की हद पार

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की 11 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए वोटिंग कल 23 अक्टूबर को होगी। इन सीटों में पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। वोटिंग से पहले 21 अक्टूबर को चुनाव प्रचार थम गया है। कल वोटिंग ,सुधार की गुंजाइश तो नजर आती नही। इलाहाबाद झांसी स्नातक एमएलसी सीट की वोटर लिस्ट में अजबगनव एंट्री दिखाई दी है, जिससे राजनीति का पारा हाई हो सकता है। इलाहाबाद झांसी स्नातक सीट की वोटर लिस्ट में मतदाता का नाम राम ने यादव को मारा मिला है। यही नहीं, पिता का नाम मूर्खचंद यादव है, साथ ही फतेहपुर में मतदाता के नाम के कॉलम में अली के पास है नाम दर्ज है। 23 अक्टूबर को वोटिंग से पहले वोटर लिस्ट में निकली गड़बड़ी बड़े सवाल खड़े करती है।चुनाव आयोग के मुताबिक यूपी एमएलसी चुनाव में 152 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वोटों की गिनती 27 अक्टूबर की जाएगी।

इन सीटों पर मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर 2026 को खत्म हो रहा है। इन चुनावों के लिए मतदान सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। प्रदेश में कुल 2697 मतदान केंद्र बनाए गए हैं और 14 लाख 81 हजार 310 वोटर अपने मतधिकार का इस्तेमाल करेंगे। लखनऊ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में सबसे ज्यादा 3 लाख 13 हजार 531 वोटर हैं। इसके बाद वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 2 लाख 88 हजार 622 और इलाहाबादझांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 2 लाख 64 हजार 233 वोटर हैं।यूपी विध्ानसभा चुनाव से पहले एमएलसी चुनाव भाजपा और सपा के लिए नाक की लड़ाई है।इस चुनाव को असेम्बली इलेक्शन का सेमीफाइनल बताया जा रहा है। यही कारण है कि इन 11 सीटों के लिए योगी सरकार के एक दर्जन से ज्यादा मंत्रियों ने प्रचार के दौरान पूरी ताकत झोंक रखी थी। भाजपा और सपा के 100 से ज्यादा सांसदों और विधायकों ने निर्वाचन क्षेत्रों में जाकर प्रचार किया और मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हरसंभव जुगत की। दोनों ही पार्टियों के बीच कड़ा मुकाबला है। पिछली बार इन सीटों पर सपा की बढ़त थी।उसने 6 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा के खाते में 5 सीटें गई थीं।इस बार भाजपा की कोशिश है कि वह डबल डिजिट को छुए। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मोर्चा संभाल रखा था।

भरद्वाज पुरम दुर्गा पूजा का भव्य समापन, मुंबई के ऑर्केस्ट्रा ने बांधा समां

महाषष्ठी पर सुरों की महफिल, महाष्टमी पर डांडिया और 21 अक्टूबर को सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को दी गई भावभीनी विदाई

प्रयागराज। प्रयागराज के अल्लापुर स्थित भरद्वाज पुरम पूजा समिति द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव का समापन 21 अक्टूबर को श्रद्धा, उल्लास और भावपूर्ण वातावरण में हुआ। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ—साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी उत्सव में चार चांद लगा दिए।

महोत्सव का प्रमुख आकर्षण महाषष्ठी के दिन मुंबई से आए एक प्रसिद्ध ऑर्केस्ट्रा दल की संगीतमय प्रस्तुति रही। कलाकारों ने भक्ति गीतों के साथ—साथ अन्य लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत की मधुर धुनों और कलाकारों की प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को जीवंत बना दिया तथा उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

महाष्टमी के पावन अवसर पर डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने पारंपरिक डांडिया नृत्य में

उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम ने उत्सव की रौनक बढ़ाने के साथ—साथ स्थानीय लोगों को आपसी मेल—मिलाप और आनंद के साथ पर्व मनाने का अवसर प्रदान किया।

दुर्गा पूजा महोत्सव का समापन 21 अक्टूबर को महिलाओं द्वारा आयोजित पारंपरिक सिंदूर खेला के साथ हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र की महिलाओं ने एक—दूसरे को सिंदूर लगाकर मां दुर्गा को भावभीनी विदाई दी। इस परंपरा के माध्यम से महिलाओं ने अपने परिवारों की सुख—समृद्धि, खुशहाली और मंगलकामना की प्रार्थना की। मां दुर्गा की विदाई के इस भावुक क्षण में श्रद्धालुओं की आंखें नम थीं, लेकिन मन में अगले वर्ष मां के पुनः आगमन की आशा और प्रतीक्षा भी थी। भक्तों ने मां दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनाए रखने की कामना की।

भरद्वाज पुरम पूजा समिति का यह आयोजन धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकजुटता का सुंदर



उदाहरण बना। संगीत, डांडिया और सिंदूर खेला के यादगार पलों के साथ संपन्न हुए इस महोत्सव ने स्थानीय निवासियों के बीच आपसी सौहार्द और सामुदायिक भावना को और

मजबूत किया। मां दुर्गा को भावभीनी विदाई देते हुए श्रद्धालुओं ने यही कामना की कि मां अगले वर्ष फिर आएँ और सभी के जीवन को सुख, शांति एवं समृद्धि से भर दें।

बलदेव में धूमधाम से मनाई गई महाराजा अग्रसेन जयंती, विपिन अग्रवाल सम्मानित

नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. मुरारी लाल अग्रवाल ने अग्र युवा मंडल के संयोजक को भेंट किया स्मृति चिह्न

बलदेव, मथुरा। महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव 2026 का आयोजन बलदेव स्थित होटल गोयल विरासत में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया। महोत्सव में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। इस दौरान अग्र युवा मंडल के संयोजक विपिन अग्रवाल को नगर पंचायत बलदेव के अध्यक्ष डॉ. मुरारी लाल अग्रवाल ने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। महोत्सव के दौरान लकी झों का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप



में एसी तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में फ्रिज सहित अन्य

ऑडिट में खुला सिंचाई विभाग महाघोटाला

344 कर्मचारियों को बिना नियुक्ति दिए करोड़ों रुपए

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग में फर्जीवाड़े की जड़ें इतनी गहरी निकलीं कि बिना नियुक्ति 344 कथित कर्मचारियों के खातों में 16 करोड़ रुपये पहुंचा दिए गए। ट्रेजरी में फर्जी खाते खुलवाकर एरियर भुगतान का खेला कर डाला। इसका खुलासा महालेखाकार की ऑडिट टीम ने किया है। विभाग में खलबली मची तो एकाउंटेंट को निलंबित कर एफआईआर दर्ज करा दी। अभी एक डिविजन में मामला मिला है। अब सवाल है कि इतने बड़े घोटाले में मिलीभगत का दायारा कहाँ तक फैला है और दूसरे डिविजनों में भी सरकारी धन की ऐसी ही लूट तो नहीं हुई।सिंचाई विभाग के मिर्जापुर कैनाल डिविजन के लघु डाल पम्प कैनाल खंड में वित्तीय वर्ष 2025–26 में एकाउंटेंट और उच्चाधिकारियों की मिलीभगत से लगभग 16 करोड़ रुपये के एरियर भुगतान का घोटाला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। आरोप है कि लघु डाल पम्प कैनाल डिविजन के 344 कर्मचारियों के फर्जी खाते खुलवाकर एरियर का भुगतान कर दिया गया है।महालेखाकार प्रयागराज की दस सदस्यीय टीम के वर्तमान वित्तीय वर्ष के ऑडिट में घोटाले का खुलासा हुआ तो एमसीडी के अधिशासी अभियंता एवं अन्य अफसरों में हड़कंप मच गया। अधिशासी अभियंता ने आनन—फानन में 18 अक्तूबर को विभाग के एकाउंटेंट व एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करा दी। मिर्जापुर कैनाल डिविजन के अधिशासी अभियंता को अन्य दस खंडों के कर्मचारियों के एरियर का भुगतान के लिए डीडीओ पारव दिया गया है। इसी डिविजन के लिपिक और एकाउंटेंट कर्मचारियों को किए जाने वाले एरियर का बिल बनाकर अधिशासी अभियंता से हस्ताक्षर कराने के बाद ट्रेजरी को भुगतान के लिए भेज देते हैं। ट्रेजरी से कर्मचारियों के बैंक खातों में भुगतान कर दिया जाता है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में एमसीडी के एकाउंटेंट जितेंद्र कुमार ने लघु डाल पम्प कैनाल के 344 फर्जी कर्मचारियों के ट्रेजरी में खाते खुलवाकर 16 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया। सबसे बड़ी बात तो यह कि इन कर्मचारियों की विभाग में नियुक्ति भी नहीं है। जब जानकारी लघु डाल पम्प कैनाल डिविजन के अधिशासी अभियंता को हुई तो उन्होंने आपत्ति जताई। एमसीडी के अधिशासी अभियंता ने एकाउंटेंट जितेंद्र कुमार के खिलाफ शहर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद निलंबित कर दिया।मिर्जापुर कैनाल डिविजन से जुड़े एक खंड के कर्मचारियों के वित्तीय वर्ष 2024–25 के एरियर का भुगतान 2026 में करना था। आरोप है कि भुगतान में अनियमितता

उत्साह देखने को मिला।

महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में अनिल अग्रवाल भट्टी वाले मौजूद रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता रोहित मोदी ने की। इस अवसर पर राहुल अग्रवाल, विकास अग्रवाल, सुदीप बंसल, शुभम अग्रवाल, मनोज मंगलमय बंसल, तरुण गोयल, डॉ. मुरली अग्रवाल, अध्यक्ष राकेश गोयल और अजय अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह, उमंग और आपसी भाईचारे का माहौल बना रहा। उपस्थित लोगों ने महाराजा अग्रसेन के आदर्शों को याद करते हुए समाज में एकता, सहयोग और समृद्धि को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

पुरातन नई संस्कृति

(छप्पय)

रँग मेले के रंग पुरातन नई संस्कृति।
नूतनता के साथ भव्य बन लाई जागृति।
हल करके सब प्रश्न क्षुधा को शांत कराने।
आते हैं त्योहार सदा यह बात बताने।।
गहराई से पर्व का चिंतन जिसने भी किया।
खुशियों भर माहौल में उत्साहित होकर जिया।।

हँसी-ठिठोली प्यार हुए परदेसी जब से।
मेलजोल का रंग चटक, फीका है तब से।
त्योहारों की बात बताते हैं अब मेले।
भीड़—भाड़ है बहुत मगर सब दिखें अकेले।
परिपाटी से दूर हो करें रीति की बात को।
उत्सव उसको सब कहें उसके हर अंदाज को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की जयंती 26 को मनायी जायेगी

मिर्जापुर। हिन्दी के साहित्य मनीषी मूर्धन्य विद्वान आचार्य रामचंद्र शुक्ल की 142 वीं जयंती आगामी 26 अक्टूबर, सोमवार को रमईपट्टी स्थित उनके विद्यालय रामचंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान में दोपहर दो बजे से मनायी जायेगी। इससे पूर्व प्रातरु आठ बजे बरौंधा कचार स्थित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया जायेगा। दोपहर के गोष्ठी समारोह में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री दयाशंकर मिश्र होंगे। विशिष्ट अतिथि नगर विधायक श्री रत्नाकर मिश्र व नगरपालिका अध्यक्ष श्री श्याम सुन्दर कंसरी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अनुज प्रताप सिंह करेंगे। आचार्य शुक्ल का जन्म बस्ती जिला के अगौना ग्राम में सन् 1884 में हुआ था। रमईपट्टी मिर्जापुर उनकी कर्मस्थली रही।

दशह्सा उत्सव में हुआ प्रतियोगिताओं का आयोजन

करछना। क्षेत्र के रामपुर,पिपरांव में विगत 9 दिनों से चले आ रहे दुर्गा पूजन और मूर्ति विसर्जन के उपरांत पूजा स्थल पर विशाल भण्डारा और



जहां एक ओर बाल कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से खूब समां बांधी। वहीं एक दूसरे से मेल मिलाप करते लोगों ने आयोजन समिति की प्रसंशा करते हुए माथे पर तिलक लगाकर एक दूसरे को विजय दशमी की बधाई दी।इस दौरान आदर्श नारी भेषभूषा प्रतियोगिता में बालिकाओं ने भी बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया। आयोजन समिति की ओर से सभी के प्रति आभार प्रकट किया गया। इस मौके पर कुसुम श्रीवास्तव, आशा प्रजापति, किरन सिंह निशा सिंह, विशाखा, पियूषा, प्रांसी, साधना आंचल, प्रतिमा, मीनू, कृष्णावती, पम्मी सिंह, श्रद्धा, नैन्सी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं बच्चे और ग्रामीण उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे	
पत्र सं०-769/ई 2/पैशन/पैशन अदालत/2026 दिनांक : 16.10.2026	
अधिसूचना	
उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल द्वारा पैशन अदालत दिसंबर-2026 का आयोजन	
 रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के "मंडल सभागार" डी आर एम ऑफिस प्रयागराज में दिनांक 15.12.2026 को 11:30 बजे पैशन अदालत दिसंबर-2026 आयोजित की जाएगी। केवल उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल से सेवानिवृत्त कर्मचारी/मृतक कर्मचारियों के आश्रित, यदि उन्हें सेवानिवृत्त देय या पैशन से सम्बंधित कोई शिकायत है तो वे अपना आवेदन मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय को निम्नलिखित माध्यमो से दिनांक 04, 11, 2026 तक भेज सकते हैं-	
1. स्टाफ़ से माध्यम से : अपने आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों को स्कैन कर (जो स्पष्ट व पठनीय हो) मोबाइल नंबर 797९69१479 (श्री आश्रीम कुमार सिंह, कार्यालय अधीक्षक/कार्मिक शाखा/प्रयागराज) पर भेजें। कृपया आवेदन पत्र में "पैशन अदालत दिसंबर-2026" अवश्य अंकित करें।	
2. ई-मेल के माध्यम से : अपने आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों को स्कैन कर (जो स्पष्ट व पठनीय हो) ई-मेल आईडी aks1986@yahoo.com पर भेजें। कृपया आवेदन पत्र में पैशन अदालत दिसंबर-2026" अवश्य अंकित करें।	
3. डाक के माध्यम से : अपने आवेदन पत्र व अन्य प्रपत्रों को डाक द्वारा करें. मंडल कार्मिक अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज, नवाब वसूफ़ रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश-211001 के पते पर भेजें। कृपया रिफाफे के ऊपर एवं आवेदन पत्र पर "पैशन अदालत दिसंबर-2026" अवश्य अंकित करें।	
आवेदन-पत्र में निम्नलिखित विवरण अवश्य अंकित करें -	
1. आवेदक/आवेदिका का नाम -	7.सेवानिवृत्त / मृत्यु की तिथि -
2. सेवानिवृत्त कर्मचारी का नाम -	8. सेवानिवृत्ति का प्रकार -
3. पदनाम एवं अंतिम कार्यस्थल -	(अभिलिखित/खैरिदक/अनिवार्य/मृत्यु)
4. सेवानिवृत्त कर्मचारी से आवेदक/आवेदिका का सम्बन्ध-	9. पीपीओ से (छायाप्रति संलग्न करें) -
5. पत्राचार का पता -	10. अंतिम वेतन एवं वेतनमान -
6. मोबाइल नंबर -	11. शिकायत का विस्तृत विवरण -
	(रमेश कुमार सुयान)
2400/26(AK) सहायक कार्मिक अधिकारी उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज	
North central railways @www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRNCR	

सम्पादकीय.....

यूरोप में बवाल

फ्रांस में स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग को लेकर शुरु हुआ आंदोलन धीरे–धीरे आगजनी और मौल व महंगे स्टोरों में लूट तक जा पहुंचा है। निस्संदेह, कथित वैश्वीकरण और उदारीकरण के चलते वैश्विक स्तर पर उपजी आर्थिक विषमता ने अमीरी–गरीबी की खाई को और गहरा किया है। एक ओर जहां व्यापार के केंद्र बने अभिजात्य वर्ग के स्कूल–कॉलेज व विश्वविद्यालय फल–फूल रहे हैं,वहीं सरकारी अनुदान से चलने वाले शिक्षण संस्थानों की बद्दहाली जगजाहिर है। यह विषमता विश्वव्यापी है और आक्रोश भी। दरअसल, लोकतांत्रिक सरकारों की जो परंपरागत कल्याणकारी नीतियों की अवधारणा थी, वह नये आर्थिक दौर में मुनाफे पर आधारित व्यवस्था में तब्दील होती गई। राजनेताओं व सत्ता से जुड़े लोगों की शैक्षणिक संस्थाओं के मुनाफे में भागीदारी ने स्थितियों को विषम बनाया है। हालांकि, सत्ताधीशों की विलासिता में कोई कमी नहीं आई, लेकिन आम जनता चौतरफा आर्थिक दबावों से जूझ रही है। सबसे पहले एक सदी बाद आई कोरोना की महामारी ने विश्व आपूर्ति शृंखला को तो बाधित किया ही, सैकड़ों किस्म के रोजगारों को भी खत्म किया। जैसे–तैसे एक साल बाद उस आर्थिक संकट से दुनिया उबरने की कोशिश में थी कि युद्ध ने सब चौपट कर दिया। दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं को पहले रूस–यूक्रेन युद्ध ने बुरी तरह प्रभावित किया। फिर इस्राइल–हमास संघर्ष ने इस संकट को बढ़ाया। इसके उपरंत अमेरिका द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध ने पूरी दुनिया में ईंध ान संकट खड़ा कर दिया। दुनिया के देशों के बजट चरमराए और लोक कल्याण से जुड़ी संस्थाएं और योजनाएं हाशिये पर आ गईं। वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने से ईंधन के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और महंगाई कुलांचे भरने लगी। जो कालांतर सामाजिक असंतोष की वाहक बनी। निस्संदेह, सुनहरे सपने लेकर आगे बढ़ रही युवा पीढ़ी की आशाओं पर इस संकट ने तुषारापात किया। शिक्षा व्यवस्था महंगी हुई और रोजगार के अवसर सिमटते गए। निस्संदेह, दुनिया की महाशक्तियों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने पूरी दुनिया में लोगों के जीवन को कष्टकारी बनाया है। इसीलिए भविष्य की आशंकाओं ने युवाओं को आक्रोशित किया। दरअसल, यूरोप के जिन तमाम देशों में फिलहाल आक्रोश की लपटें दिखायी दे रही हैं, उनके मूल में सिर्फ युवाओं का गुस्सा ही नहीं है। इस तपिश में रोटी सेंकने के लिये राजनीतिक दल आतुर दिखायी देते हैं। फ्रांस में जहां दक्षिणपंथी उभार के संकेत दिखायी दे रहे हैं, वहीं कुछ देशों में वाम व श्रमिक संगठन अपने अवसर तलाश रहे हैं। जहां दक्षिणपंथी दल प्रवासियों को अपने–अपने देश की समस्याओं की वजह बता रहे हैं, वहीं वामपंथी दल सत्ता में भागीदारी को आतुर हैं। यह कटु सत्य यह है कि जिन देशों में इस समय आंदोलन उभार पर हैं, उनमें से स्पेन, फ्रांस, इटली,पोलैंड और ग्रीस में महत्वपूर्ण चुनाव होने वाले हैं। अतरु इन आंदोलनों के राजनीतिक निहितार्थ समझना कठिन नहीं होगा। आम आदमी जहां पेट्रोलियम पदार्थों, खाद्य वस्तुओं की कीमतें और आवासीय महंगाई बढ़ने से आक्रोशित है, वहीं युवा रोजगार संकट से त्रस्त हैं। उन्हें अपना भविष्य अंध ाकारमय दिखायी दे रहा है। वहीं अल्बानिया में हिंसक रूप ले चुका आंदोलन सिस्टम के भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुखर है। आंदोलनकारियों ने लोकतंत्र के आधारभूत स्तंभों से जुड़े संस्थानों तक को आग के हवाले किया है। दरअसल, समाज में एक ओर अभिजात्य वर्ग की विलासिता बदस्तूर जारी है, वहीं दूसरी ओर समाज के एक बड़े वर्ग को रोटी–कपड़ा–मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिये संघर्ष करना पड़ रहा है। सत्ताधीशों की संवेदनहीनता और लोक कल्याण के वायदों का हकीकत न बन पाना आक्रोश की वजह बन रहा है। कहीं न कहीं कथित सोशल मीडिया ने भी इस तपिश को ईंधन उपलब्ध ा कराया है। जिसमें दिखाया जा रहा स्वप्नलोक तो लुभावना है, लेकिन हकीकत खुरदरी है। एक तरफ अथाह विलासिता के बिंब हैं, दूसरी तरफ जीवन की मूलभूत जरूरतों का संकट। वहीं सोशल मीडिया पर प्रसारित अप्रमाणिक व अतिरंजित सामग्री युवाओं को आक्रामक बना रही है।

अदम गोंडवी : जनजीवन और प्रतिरोध के गूज़लकार

जयराम जय

अदम गोंडवी हिंदी गूज़ल के उन रचनाकारों में हैं, जिन्होंने ग्रामीण जीवन, सामाजिक विषमता और राजनीतिक विडंबनाओं को अपनी कविता का प्रमुख विषय बनाया। उनकी गूज़लों में भूख, गरीबी, जातिगत भेदभाव और भ्रष्टाचार से जूझते आम आदमी की चिंताओं अभिव्यक्त हुई हैं। सहज बोलचाल की भाषा और तीखे व्यंग्य के माध्यम से उन्होंने हिंदी गूज़ल को जनजीवन के अनेक अनदेखे पहलुओं से जोड़ा।

अदम गोंडवी का वास्तविक नाम रामनाथ सिंह था। उनका जन्म २२ अक्टूबर १९४७ को उत्तर प्रदेश के गोंडा जनपद के आटा गाँव में हुआ। ग्रामीण परिवेश में रहते हुए उन्होंने समाज की विषमताओं और आम लोगों के संघर्षों को निकट से देखा। यही अनुभव उनकी रचनात्मक चेतना का आधार बने। १८ दिसंबर २०११ को उनका निधन हुआ, लेकिन उनकी रचनाएं आज भी सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े

सवाल उठाती हैं।

दुष्यंत कुमार के बाद हिंदी गूज़ल को समकालीन सामाजिक–राजनीतिक सरोकारों से जोड़ने वाले रचनाकारों में अदम गोंडवी का महत्त्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने गूज़ल को निजी अनुभूतियां तक सीमित न रखकर किसान, मजदूर और वंचित समुदायों के जीवन से जोड़ा। उनकी कविता में व्यवस्था के प्रति असंतोष भोगे हुए सामाजिक यथार्थ से उपजता है।

उनकी प्रसिद्ध पंक्तियाँ हैं –

“काजू भुने हैं प्लेट में, हिरकी गिलास में,

उतरा है रामराज्य विधायक निवास में।”

इन पंक्तियों में राजनीतिक आदर्शों और सत्ता के वास्तविक आचरण के बीच का अंतर व्यंग्य के माध्यम से सामने आता है। ‘रामराज्य’ की अवधारणा को विधायक निवास के ऐश्वर्य से जोड़कर कवि जनकल्याण के दावों और सत्ता के सुख–सुविधापूर्ण जीवन के बीच की विडंबना उजागर करता है।

इसी तरह वे आज़ादी के सामाजिक और आर्थिक अर्थ पर

प्रश्न करते हैं:

“सौ में सत्तार आदमी फिलहाल जब नाशाद है,

दिल पे रखके हाथ कहिए, देश क्या आज़ाद है।”

यहाँ स्वतंत्रता का मूल्यांकन केवल राजनीतिक व्यवस्था से नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन की स्थितियों से किया गया है। अदम की दृष्टि में लोकतंत्र की सार्थकता इस बात से भी तय होती है कि वंचित लोगों को सम्मान, अवसर और न्याय कितना मिल पाता है।

भ्रष्टाचार पर उनका व्यंग्य भी उल्लेखनीय है:

“जो डलहौजी न कर पाया वो ये हुक्काम कर देंगे, कमीशन दो तो हिंदुस्तान को नीलाम कर देंगे।”

औपनिवेशिक शोषण की स्मृति के सहारे कही गई ये पंक्तियाँ सत्ता में ब्याप्त भ्रष्टाचार और सार्वजनिक हित की उपेक्षा पर प्रहार करती हैं। अदम की विशेषता है कि वे जटिल राजनीतिक प्रश्नों को सहज भाषा में व्यक्त करते हैं। उनका व्यंग्य सीधे पाठक तक पहुँचता है और उसे व्यवस्था के चरित्र पर विचार करने के लिए प्रेरित

करता है।

सांप्रदायिक राजनीति के संदर्भ में भी उनकी दृष्टि स्पष्ट है :

“हिंदू या मुस्लिम के एहसासात को मत छेड़िए,

अपनी कुर्सी के लिए जज़्बात को मत छेड़िए।”

इन पंक्तियों में धार्मिक भावनाओं के राजनीतिक इस्तेमाल के प्रति चेतावनी है। अदम का सरोकार उस साझा सामाजिक जीवन से है, जिसे सांप्रदायिक छ्र्वीकरण और सत्ता की आकांक्षाएं कमजोर करती हैं। उनकी जनपक्षधरता आर्थिक विषमता के साथ सामाजिक सदभाव और मानवीय गरिमा से भी जुड़ी है।

उनकी चर्चित रचना ‘चमारों की गली’ उनके काव्य–संसार का महत्त्वपूर्ण पक्ष सामने लाती है। इसमें जातिगत उत्पीड़न, सामाजिक वर्चस्व और प्रशासनिक पक्षपात के माध्यम से ग्रामीण समाज की कठोर

विमर्श

जयंती विशेषांक: जयंती समारोह शरद पूर्णिमा, दिनांक २६ अक्टूबर सोमवार पैतृक स्थल रमईपट्टी में अपराह्न २.०० बजे से

साहित्य मनीषी आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी की तपोस्थली भूमि जनपद मिर्जापुर (सन १८९३ से १९०८ तक (१५ वर्ष) जनपद मिर्जापुर में साहित्यिक यात्रा चला)

उमाशंकर दिवेंदी, लक्ष्मी शंकर मिश्र, पंडित परमानंद भट्टाचार्य अपना साहित्यिक योगदान देते थे। आचार्य शुक्ल भी नियमित साहित्यिक गोष्ठी में आने– जाने लगे। सन १९०० (१६ वर्ष) की अवस्था पहुंचते पहुंचते हिंदी प्रेमियों की एक अच्छी खासी मंडली आपको मिल गई। रमईपट्टी में रहकर आपने विज्ञान, दर्शनशास्त्र, इतिहास मनोविज्ञान राजनीति शास्त्र समाजशास्त्र भारतीय काव्यशास्त्र का विस्तृत अध्ययन प्राप्त कर लिया। अपने आप को पूर्ण



लेखक मानने लगे। आपकी रचनाएं आनंद कदंबिनी, सरस्वती पत्रिकाओं में प्रकाशित होने लगी।

प्रेमघन नगर के जाने–माने पुराने रईस हिंदुस्तानी व्यक्ति थे उनके यहां कजली, होली हफ्तो तक चलता था, होली उत्सव बसंत पंचमी से शुरु हो जाता था जिसमें उंडई भांग का माहौल बना रहता था । आर्गंतुकों को चांदी की तस्तरी में जलपान कराया जाता था। एक दिन सांयकाल एक व्यक्ति आया कहा मेरी पुत्री की शादी है हिंदी में कोई श्लोक बताएं जिसे निमंत्रण कार्ड पर छपवा दू। उस दिन आचार्य शुक्ल भी साहित्यिक गोष्ठी में मौजूद थे। प्रेमघन जी ने सबसे कहा आप सभी मिलकर ले आए। दूसरे दिन सभी साहित्यकारों का पढ़ने के पश्चात उन्हें आचार्य शुक्ल जी का हिंदी श्लोक पसंद आया। आपने गणेश जी के ऊपर श्लोक लिखा–

विश्व विधान विनोद रत माया जाया संग ।

मंगल मय मंगल करहु दरसा वहु–वहु रंग ।।

इस हिंदी श्लोक को पढ़कर प्रेमघन इतना मुग्ध हुए और पूछे बेटा तुम्हारा नाम,आपने बताया मेरा नाम पंडित रामचंद्र शुक्ल है मैं रमईपट्टी में रहता

हूं। सन १८८४ से १९०८ तक आप पंडित रामचंद्र शुक्ल थे। सन १९०९ में आपने लिखा कश्विता क्या हैइ इस पर महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आपको आचार्य का स्थान दिया। आप सन १९०९ से १९४१ तक आचार्य रामचंद्र शुक्ल नाम से विख्यात हुए। आप सन १८९३ से १९०८ तक (१५ वर्ष) रमईपट्टी मिर्जापुर में रहे। सन १९०८ में हिंदी शब्द सागर के संपादक होकर मिर्जापुर से काशी गए, वहां आपने हिंदी कोष का निर्माण किया। आपने ७८४०५ शब्दों को

लगाव था। आपने लिखा है– यधपि मैं काशी में हूं, मेरी हार्दिक इच्छा है कि जब मेरे प्राण निकले तो मिर्जापुर का मानचित्र मेरे नेत्रों के सामने हो।

दूसरी तरफ कविता के माध्यम से अपने प्रेम, लगाव को दर्शाया है–

एहो! वन, बंजर, कछार, हरे भरे खेत!

विटप, विहंग! सुनो, अपनी सुनावें हम।

छूटे तुम, तो भी चाह चित से न छूटी यह

बसने तुम्हारे बीच फिर कभी आवें हम।

सड़े चले जा रहे हैं बँधो अपने ही बीच,

जो कुछ बचा है उसे बचा कहाँ पावें हम ।

१९१६ में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना किया। जो सन १९१९ में बनकर तैयार हुआ। विश्वविद्यालय में डॉक्टर श्याम सुंदर दास को हिंदी विभागाध्यक्ष बनाया तथा हिंदी माध्यम से पठन–पाठन हेतु महामना जी को ऐसे व्यक्ति की तलाश थी जो हिंदी का महारथी हो। सन १९१८ में महामना जी ने जब आचार्य शुक्ल जी से बात किया तो आपने दोहरा कार्य करने से इनकार कर दिया। एक दिन महामना जी सांयकाल ५रू०० बजे आचार्य शुक्ल जी के आवास दुर्गाकुंड पर गए, शुक्ल जी सभा में गए थे उनकी पत्नी आवास पर थी उनसे कहा मैं महामना पंडित मदन मोहन मालवीय काशी हिंदू विश्वविद्यालय का संस्थापक लक्ष्मी की याचना करके विश्वविद्यालय का निर्माण किया है, अब सरस्वती पुत्र की याचना हेतु आपके पास आया हूं उन्हे आप विश्वविद्यालय में हिंदी माध्यम से पढ़ाने हेतु अनुमति प्रदान करें। पत्नी से महामना जी की इस याचना से अभिभूत हो उनके व्यक्तित्व में ऐसी चमक उभरी आचार्य शुक्ल जी को

दोहरा कार्यभार लेना ही पड़ा । आप नागरी प्रचारिणी सभा का कार्य घर पर ही करने लगे। आपके श्रमिक स्नेह को धूप हवा देने वाली आपकी धर्म पत्नी सावित्री देवी थी। विश्वविद्यालय में आप बी.ए. कक्षाओं को हिंदी पढ़ने लगे।एम.ए. का हिंदी पाठ्यक्रम भी तैयार किया, जिससे एम.ए. की कक्षाएं संचालित होने लगी। जब आप विश्वविद्यालय में रहे उस समय आपको रुपए १५० मासिक वेतन मिला करता था। १९३६ में अलवर के राजा जय सिंह ने

आपको हिंदी सचिव पद के लिए आमंत्रित किया साथ में बंगला, भोजन, नाश्ता ,वस्त्र, नौकर सब निशुल्क। आपकी दैनिक क्रिया समय अनुसार थी आप जानते थे कि राजा के यहां जाने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा पत्नी को जब मालूम हुआ पत्नी ने बहुत समझाया और कहा आप,यह इतने कम वेतन पर है राजा आपको १५०० मासिक पर आमंत्रित किए हैं साथ में सब निशुल्क आपको बाजार से कुछ नहीं लेना है आप जरूर जाए पत्नी के अधिक हट करने पर आप महामना जी से अनुमति मांगने के लिए गए, महामना जी आपकी बातों को सुनकर मुस्कुराए और कहा तुम्हें जरूर जाना चाहिए लेकिन राजा तुम्हें नहीं चाहेगा तुम राजा को नहीं चाहोगे राजा के यहां वही विडंबना, जिससे आप वहां जाना नहीं चाहते थे कुछ दिनों तक पढ़ाने के पश्चात आप वापस काशी चले आए। जिस कमरे में रहते थे वहा एक पत्र लिखकर रख दिया।

चिथड़े लपेटेंगे चने चबायेंगे, चौखट चढ़, चाकरी न करेंगे चौपट चांडाल की ।।

अर्थात (फटा पुराना वस्त्र पहनकर, चौखट पर बैठकर, चना खाकर व्यतीत कर लूंगा , ऐसे राजा महाराजा की नौकरी नहीं करूंगा)

आप काशी आने पर हफ्तों महामना जी से नहीं मिले महामना जी को जब मालूम हुआ आपको आदर के साथ बुलाया और कहा हमने तुम्हें विश्वविद्यालय से निष्कासित नहीं किया है डॉक्टर श्याम सुंदर दास अवकाश ले रहे हैं अब तुम हिंदी विभागाध्यक्ष बन जाओ । हिंदी विभाग अध्यक्ष का निर्वहन आपने १९३७ से १९४१ तक किया।

आप दमा से ग्रस्त रहते थे। हिंदी जगत का यह सितारा २ फरवरी १९४१ को सदैव के लिए अस्त हो गया इन्हीं शब्दों के साथ अपने पूर्वज बड़े बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा हूं ।

चंद्रबली के पुत्र ग्राम अगोनावासी ।

ऋति रहेंगे चिंतामणि के भाषा भाषी ।।

प्रस्तुति–

राकेश चंद्र शुक्ल

प्रबंधक, आचार्य रामचंद्र शुक्ल शिक्षण संस्थान रमई पट्टी मिर्जापुर मो.— ९४५१६४८१९७, ७३८८३८८२२९

लोगों को पर्याप्त संरक्षण नहीं दे पाती। जाति और सत्ता के अंतर्संबंधों को सामने लाने के कारण यह रचना सामाजिक विमर्श में उल्लेखनीय स्थान रखती है।

अदम की भाषा उनकी रचनात्मक पहचान का प्रमुख आधार है। लोकजीवन के शब्दों, मुहावरों और सहज संबोधन से वे अपने कथ्य को प्रभावी बनाते हैं। उनकी कविता में अलंकारिक सजावट की अपेक्षा कथ्य की स्पष्टता और व्यंग्य की धार अधिक महत्त्वपूर्ण है। वे पाठक को केवल प्रभावित नहीं करना चाहते, बल्कि सामाजिक वास्तविकताओं के प्रति सजग भी करना चाहते हैं।

साहित्यिक मूल्यांकन के

स्तर पर यह भी स्वीकार करना चाहिए कि उनकी कुछ रचनाओं में विचार की तीव्रता कभी–कभी काव्यात्मक संकेत और बहुअर्थता पर भारी पड़ती है। कुछ शेर व्यंग्यात्मक वक्तव्य के अधिक निकट दिखाई देते हैं। फिर भी उनकी कविता को केवल पारंपरिक गूज़ल के सौंदर्यशास्त्र से परखना पर्याप्त नहीं होगा। अदम ने गूज़ल के

कथ्य का विस्तार किया और उसे जनजीवन की समस्याओं से जोड़ने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उनकी रचनाओं की शक्ति सामाजिक अनुभव, स्पष्ट दृष्टि और आम आदमी के प्रति प्रतिबद्धता में निहित है।

उनके प्रमुख काव्य–संग्रहों में ‘धरती की सतह पर’ और ‘समय से मुठभेड़’ उल्लेखनीय हैं। इनकी रचनाओं में गरीबी, बेरोज़गारी, जातिगत भेदभाव, भ्रष्टाचार और लोकतांत्रिक व्यवस्था की विसंगतियाँ प्रमुखता से सामने आती हैं। उनके लिए कविता सामाजिक यथार्थ को दर्ज करने और उस पर सवाल उठाने का माध्यम है।

अदम गोंडवी की प्रासंगिकता इस बात में है कि उनकी कविता में उठाए गए अनेक सवाल आज भी हमारे सामाजिक और राजनीतिक जीवन का हिस्सा हैं। वे याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की उपलब्धियों का आकलन करते समय वंचित वर्गों की स्थितियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गूज़ल को जनजीवन

की समस्याओं से जोड़कर उन्होंने साहित्य की सामाजिक भूमिका को विस्तार दिया। उनकी रचनात्मक विरासत का महत्त्व अन्याय पर सवाल उठाने के साहस और जनपक्षधर दृष्टि में निहित है।

लेखक परिचय
जयराम जय गीत–नवगीत, गूज़ल, छंद, कहानी, आलेख और समीक्षा के सक्रिय रचनाकार हैं। हिंदी में परास्नातक तथा पत्रकारिता और वास्तुविद्या में शिक्षित जय की कृति ‘जिंदगी गीत है’ प्रकाशित है। जैसी पत्रिकाओं तथा अनेक संकलनों के संपादक–सहयोग से जुड़े रहे हैं। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद से वास्तुविद् अभियंता के पद से सेवानिवृत्त होकर वे स्वतंत्र लेखन में सक्रिय हैं।

ई–मेक:

jairamjay2०११@gmail-com



जियोहॉटस्टार और प्राइम फोकस स्टूडियोज ने बुधवार को घोषणा की कि वे नमित मल्होत्रा घट्टी फिल्म रामायणरू पार्ट वन को थिएटर में रिलीज होने के बाद, अपने प्लेटफॉर्म पर पे—पर—व्यू मॉडल के जरिए दर्शकों तक पहुंचाएंगे। यह फिल्म 5 नवंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें आईमैक्स 3डी भी शामिल है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, थिएटर में रिलीज होने के कुछ समय बाद, भारत के दर्शक जियोहॉटस्टार पर इसे अलग से ऑन—डिमांड खरीदकर देख सकेंगे। विज्ञप्ति में बताया गया है कि जियोहॉटस्टार की तकनीकी क्षमताओं और व्यापक पहुंच का लाभ उठाते हुए, यह साझेदारी फिल्म को पूरे भारत के दर्शकों तक पहुंचाएगी। दर्शक इसे अपने डिवाइस पर बेहतरीन क्वालिटी में देख सकेंगे। जियोस्टार की चेयरपर्सन, श्रीमती नीता एम. अंबानी ने कहा, रामायण भारत की सबसे महान सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है — एक ऐसी कहानी जिसने सदियों से हमारी चेतना को गढ़ा है, हमारी कल्पना को प्रेरित किया है और हमारे जीवन जीने के तरीके को दिशा दी है। जैसे—जैसे भारत कहानी कहने (स्टोरीटेलिंग) के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, हमारे पास अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का एक असाधारण अवसर है। जियोहॉटस्टार में, हमारा

अमित साध की प्रताप का मोशन पोस्टर रिलीज, 26 अक्टूबर को आरगा ट्रेलर

बॉलीवुड एक्टर अमित साध की अपकमिंग फिल्म ‘प्रताप’ का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है। सरस्पेंस और रहस्य से भरपूर इस पोस्टर में एक ऐसे एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी की झलक दिखाई गई है, जो कभी अपनी बहादुरी और कामयाबी के लिए जाना जाता था, लेकिन अब खुद कानून के कटघरे में खड़ा नजर आ रहा है। फिल्म का मोशन पोस्टर कई सवाल खड़े करता है, जिनके जवाब जानने के लिए दर्शकों को ट्रेलर का इंतजार करना होगा। मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट 26 अक्टूबर 2026 तय की है, जबकि फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के मोशन पोस्टर की शुरुआत अखबारों की सुर्खियों से होती है। इनमें बर्खास्त पुलिस अधिकारी, एनआईए की जांच, हार्ड—प्रोफाइल बम धमाके की आशंका और एक प्रभावशाली उद्योगपति से संभावित संबंधों का जिक्र दिखाई देता है। इन खबरों के बीच कहानी कई रहस्यमयी सवाल खड़े करती है। इसके बाद अमित साध सलाखों के पीछे नजर आते हैं। यह दृश्य कहानी के एक अहम मोड़ की ओर इशारा करता है। जो पुलिस अधिकारी कभी अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करता था, वह आखिर किन परिस्थितियों में खुद कानून के शिकंजे में आ गया? क्या वह किसी बड़ी साजिश का शिकार हुआ है या उसके अतीत में कोई ऐसा सच छिपा है, जो अब सामने आने वाला है? मोशन पोस्टर इन सवालों के जवाब नहीं देता, बल्कि दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा देता है। ‘जब पुलिसवाला ही बन जाए निशाना, तो क्या होगा?’ फिल्म का यह सवाल इसकी



जहां एक तरफ इंडस्ट्री दलेर मेहंदी के अपमान के खिलाफ एकजुट हो गई है, तो वहीं दूसरी तरफ गायिका सोना महापात्रा ने एक बयान देकर नया विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी वरिष्ठ कलाकार के प्रति सम्मान के कारण लोगों को उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाने से रुक जाना चाहिए? उनकी यह टिप्पणी उत्तराखंड में नवरात्रि के एक कार्यक्रम में दलेर मेहंदी की मौजूदगी पर हुए हंगामे के बाद आई है, जहां भाजपा विधायक सुबोध उनियाल ने उन पर मंच पर नशे की हालत में होने का आरोप लगाया था। इंस्टाग्राम पर 11 स्लाइड की एक पोस्ट में,

विजन तकनीक का उपयोग करके बेहतरीन कहानियों को हर भारतीय की पहुंच तक लाना है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हम रामायण के इस भव्य सिनेमाई रूप को देश भर के परिवारों के सामने पेश कर रहे हैं, और नई पीढ़ी को कर्तव्य, प्रेम, साहस और अच्छाई जैसे इसके शाश्वत मूल्यों से परिचित करा रहे हैं। फिल्म निर्माता और डीएनईजी के संस्थापक व सीईओ, नमित मल्होत्रा ने कहा, मेरा मानना है कि रामायण का अनुभव सबसे बड़ी स्क्रीन पर, यानी आईमैक्स 3डी में लिया जाना चाहिए लेकिन हमारे देश का सिनेमा इंफ्रास्ट्रक्चर उन सभी लोगों तक नहीं पहुंच सकता, जिनके दिल के करीब यह महाकाव्य है। रामायण हर भारतीय की है और हमारी कोशिश में भी यह बात झलकनी चाहिए। जियोहॉटस्टार ने बार—बार दिखाया है कि कैसे तकनीक अपने खेल और मनोरंजन के जरिए पूरे देश को एक साथ ला सकती है। इसी वजह से, सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद रामायण को लोगों के हाथों और उनके घरों तक पहुंचाने के लिए वे एक स्वभाविक पार्टनर बन गए। प्राइम फोकस स्टूडियोज द्वारा निर्मित, आठ बार अकादमी पुरस्कार जीतने वाले प्रोडक्शन और विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो डीएनईजी और यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के सहयोग से बनी रामायण दो भागों में एक लाइव—एक्शन सिनेमैटिक



कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू बनकर सामने आता है। पोस्टर से संकेत मिलता है कि फिल्म में एक ऐसे पुलिस अधिकारी का संघर्ष दिखाया जाएगा, जिसकी जिंदगी अचानक बदल जाती है। कभी बहादुरी और कामयाबी के लिए पहचाने जाने वाले एनकाउंटर स्पेशलिस्ट को ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और अब तक के सफर पर सवाल खड़े करती हैं। हालांकि, वह किन वजहों से जांच के दायरे में आता है और उसके खिलाफ लगे आरोपों के पीछे क्या सच्चाई है, इसका खुलासा अभी नहीं किया गया है। मोशन पोस्टर के साथ मेकर्स ने फिल्म के ट्रेलर की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। ‘प्रताप’ का ट्रेलर 26 अक्टूबर 2026 को रिलीज किया जाएगा। उम्मीद है कि ट्रेलर में अमित साध के किरदार, उसके संघर्ष और मामले से जुड़े रहस्यों की कुछ और झलक देखने को मिलेगी। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। ऐसे में ट्रेलर दर्शकों के लिए यह समझने का मौका होगा कि एक जांबाज

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर भी मचेगा रणबीर कपूर की रामायण का धमाल, जियोहॉटस्टार ने मेकर्स संग मिलाया हाथ

इवेंट है। इसका निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और वाल्मीकि के महाकाव्य से इसे श्रीधर राघवन ने रूपांतरित किया है। इस फिल्म में अकादमी पुरस्कार विजेता संगीतकार हंस जिमार और ए. आर. रहमान एक साथ आए हैं। रवि बंसल और रैमसे एवरी ने इसका प्रोडक्शन डिजाइन किया है, जबकि टेरी नोटरी और गाइ नॉरिस ने एक्शन निर्देशन संभाला है। फिल्म की कास्ट में भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर, सीता के रूप में साई पल्लवी, रावण के रूप में यश, हनुमान के रूप में सनी देओल और लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे शामिल हैं। इनके अलावा, अरुण गोविल, लारा दत्ता, रकुल प्रीत सिंह, विवेक ओबेरॉय, कुणाल कपूर और काजल अग्रवाल भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। रामायण पार्ट वन इस दिवाली, 5 नवंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी।



पुलिस अधिकारी आखिर कैसे खुद एक बड़े मामले में फंस जाता है। सचिन सारफ के लेखन और निर्देशन में बनी ‘प्रताप’ एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की जिंदगी में आए अप्रत्याशित बदलावों पर आधारित है। फिल्म में अमित साध मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके साथ ईशा देओल, सीमा बिस्वास और तिग्मांशु धूलिया भी अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। फिल्म का निर्माण प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स ने किया है। सरस्पेंस से भरे मोशन पोस्टर के बाद अब दर्शकों की नजरें ट्रेलर पर टिकी हैं, जो कहानी के कुछ अनसुलझे सवालों से पर्दा उठा सकता है। अमित साध स्टारर ‘प्रताप’ 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का मोशन पोस्टर एक ऐसे पुलिस अधिकारी की कहानी का संकेत देता है, जो अपराधियों से मुकाबला करने के बाद खुद कानून और जांच के घेरे में आ जाता है। अब देखना होगा कि फिल्म में इस रहस्य को किस तरह पेश किया जाता है और अमित साध का यह किरदार दर्शकों पर कितना असर छोड़ता है।

जिन दर्शकों ने पैसे लगाए उनका भी तो सोचो... सोना महापात्रा ने दलेर मेहंदी पर ही उठाए सवाल

दांव पर लगाई थी। उन्होंने बताया— स्टेज पर दलेर जी काफी उलझे हुए लग रहे थे, उन्हें एक सुर पकड़ने में भी मुश्किल हो रही थी और वह एक ही धुन को बार—बार दोहरा रहे थे, पूरा प्रोडक्शन निराश थ, हमने देखा कि कैसे दर्शक धीरे—धीरे वहां से जाने लगे, वो लोग जिन्होंने अच्छे पैसे देकर टिकट खरीदा था और बड़ी उम्मीदों के साथ आए थे।[अभिनेत्री ने दर्शकों के इमोशन और मैनेजमेंट पर सवाल उठाते हुए लिखा, प्छत्ताखंड में हुए विवाद को देखकर मुझे हैरानी हो रही है कि बातचीत का ज्यादातर हिस्सा कलाकार के अपमान पर हो रहा है. दर्शकों की उम्मीदों और मोटी प्रोफेशनल फीस लेने वालों की जिम्मेदारी पर बहुत कम बात हो रही है. दो बातें एक साथ सच हो सकती हैं। यह स्पष्ट करते हुए कि उन्हें दलेर की निजी परिस्थितियों या स्वास्थ्य के बारे में जानकारी नहीं है, सोना ने कहा कि उन्होंने जो देखा, उसके आधार पर वे कोई निष्कर्ष नहीं निकालना चाहेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी कलाकार को सबके सामने अपमानित करना इसका सही समाधान नहीं है। उन्होंने लिखा—मैं यह सवाल एक साथी परफॉर्मिंग आर्टिस्ट के तौर पर पूछ रही हूं, यह जानते हुए कि इसके लिए मेरी आलोचना भी हो सकती है. सम्मान एकतरफा हक नहीं है बल्कि यह आपसी लेनदेन का रिश्ता है. उम्र, विरासत और कद सम्मान के योग्य हैं लेकिन वे हममें से किसी को भी प्रोफेशनल जवाबदेही से मुक्त नहीं करते।



कभी अनुष्का शर्मा के इंटरव्यू संभालने वाली परिणीति चोपड़ा ऐसे बनीं बड़ी बॉलीवुड स्टार

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा आज यानी की 22 अक्टूबर को अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर में कई उतार चढ़ाव देखे हैं। हालांकि अभिनेत्री ने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई है। लेकिन बहुत कम लोगों को जानकारी बड़े पर्दे पर कदम रखने से पहले वह यशराज फिल्म्स की मार्केटिंग टीम का हिस्सा थीं। एक समय पर वह बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के मीडिया इंटरव्यू को संभालती थीं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार
हरियाणा के अंबाला में 22 अक्टूबर 1988 को परिणीति चोपड़ा का जन्म हुआ था। परिणीति पढ़ाई में काफी अच्छी थीं, इसलिए वह इन्वेस्टमेंट बैंकर बनने का सपना देखती थीं। इसके लिए परिणीती ने ब्रिटेन के मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल से बिजनेस, फाइनेंस और इकोनॉमिक्स में पढ़ाई की। इस एक्ट्रेस के मैनेज करती थीं इंटरव्यू हालांकि आर्थिक मंदी के कारण परिणीति को भारत लौटना पड़ा। जिसके बाद परिणीति अपनी बहन और बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के संपर्कों के माध्यम से यशराज फिल्म्स के पब्लिक रिलेशंस और मार्केटिंग विभाग से जुड़ गईं। यशराज फिल्म्स में काम करते हुए परिणीति चोपड़ा फिल्म शबूड बाजा बारातश के प्रमोशन से जुड़े कई काम संभाले। इस दौरान वअभिनेत्री अनुष्का शर्मा के इंटरव्यू भी मैनेज करती थीं। हालांकि परिणीति ने यह कभी नहीं सोचा था कि एक समय पर वह खुद भी अभिनेत्री बनकर बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। मार्केटिंग के काम करने के दौरान उनको फिल्म इंडस्ट्री के रचनात्मक पहलुओं को काफी करीब से जानने का मौका मिला। इस तरह से परिणीति की धीरे—धीरे अभिनय में दिलचस्पी बढ़ने लगी।

फिल्मी सफर
साल 2011 में परिणीत चोपड़ा ने फिल्म श्लेडीज वर्सेस रिक्की बहलश से अभिनय की दुनिया में कदम रखा। फिर साल 2012 में वह फिल्म शइकजादेश में नजर आईं। इस फिल्म में वह अभिनेता अर्जुन कपूर के अपोजिट थीं। फिर उन्होंने श्शुद्ध देसी रोमांसश, ‘हंसी तो फंसी’, ‘दावत—ए—इश्क’ और ‘मेरी प्यारी बिंदु’ जैसी फिल्मों में काम किया। वहीं फिल्म शअमर सिंह चमकीलाश में परिणीति के काम को काफी पसंद किया गया था।

पर्सनल लाइफ
अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने आप पार्टी नेता और सांसद राघव चड्ढा को लंबे समय तक डेट किया और फिर 13 मई 2023 में सगाई कर ली। इसके बाद 24 सितंबर 2023 में राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा ने उदयपुर में पारंपरिक रीज़ि—रिवाजों से शादी कर ली। वहीं कपल का एक बेटा नीर चड्ढा है।



दिलजीत दोसांझ के फैंस को झटका, दिल्ली में 30 अक्टूबर के ऑरा टूर शो को पुलिस ने नहीं दी अनुमति

दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए, 30 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले मशहूर पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के शो को अनुमति देने से मना कर दिया है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा चिंताओं के चलते 30 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होने वाले दिलजीत के शो को अनुमति नहीं दी गई है। ऑरा टूर की शुरुआत 30 अक्टूबर को दिल्ली से होगी। इसके बाद यह इंदौर, अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु, लखनऊ, चंडीगढ़ और कोलकाता जाएगा। ऑरा वर्ल्ड टूर में संगीत, ऊर्जा और शानदार नजारों का संगम देखने को मिलता है, जो दिलजीत दोसांझ की लाइव परफॉर्मेंस की पहचान हैं। यह टूर उनके अंतरराष्ट्रीय शो के स्तर को भारतीय दर्शकों के लिए एक स्टेडियम अनुभव में बदल देता है। 24 सितंबर को, दिलजीत ने 21 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अपनी परफॉर्मेंस के बारे में बात की थी।

संक्षिप्त



मासिक GST Return Form में बदलाव की तैयारी, सरकार 1 नवंबर से कारोबारियों से मांगेगी सुझाव

वित्त मंत्रालय मासिक 'जीएसटी रिटर्न फॉर्म' में प्रस्तावित बदलावों पर एक नवंबर से कारोबारियों की राय मांगेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के जीएसटी नीति प्रभाग के आयुक्त गौरव सिंह ने कहा कि विभाग जीएसटी ऑडिट प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की दिशा में भी काम करेगा। केंद्र एवं राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में जीएसटी रिटर्न (कर वापसी) में देनदारियों और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) में संशोधन के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था को मंजूरी दी गई थी। इसका उद्देश्य विसंगतियों को कम करना और नोटिस या सूचना भेजने की जरूरत घटाना है। परिषद ने जीएसटी फॉर्म जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1ए और आईएफएफ में सुधारों को मंजूरी दी थी, ताकि इन फॉर्म में दी गई जानकारी का मासिक कर भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में दी गई जानकारी से बेहतर मिलान किया जा सके। सिंह ने कहा कि संशोधित जीएसटी रिटर्न फॉर्म एक नवंबर को 'एमवाईजीओवी' मंच पर सार्वजनिक परामर्श के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। इन पर 30 नवंबर तक सुझाव दिए जा सकेंगे। संशोधित जीएसटी रिटर्न फॉर्म एक अप्रैल, 2027 से लागू होगा। आठ अक्टूबर को हुई जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में लिए गए फैसलों से संबंधित अधिसूचनाओं और परिपत्रों की विधि विभाग ने जांच कर ली है। इन्हें शुक्रवार को सार्वजनिक किया जाएगा। सिंह ने साथ ही कहा कि आईटीसी श्रृंखला की अखंडता से जुड़ी समस्याएं दूर होने पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में आगे के सुधारों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा, "ऑडिट के संबंध में हमें समीक्षा करनी होगी।" जीएसटी नीति प्रभाग के आयुक्त ने कहा कि प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि करदाताओं को 'परेशानी का सामना न करना पड़े।' फिलहाल, एक से अधिक राज्यों में कारोबार करने वाली कंपनियों को उन राज्यों के जीएसटी अधिकारियों द्वारा कई बार ऑडिट का सामना करना पड़ता है।

शेयर बाजार में गिरावट और कच्चे तेल के दबाव से रुपया 12 पैसे फिसला, 94.50 प्रति डालर पर

रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.47 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह और कमजोर होकर 94.50 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे कम है। रुपया बुधवार को 53 पैसे मजबूत होकर 94.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 101.56 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 642.51 अंक फिसलकर 73,067.18 अंक पर और निपटी 241.35 अंक टूटकर 22,570.90 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 1.58 प्रतिशत बढ़कर 110.54 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को शुद्ध रूप से 1,022.32 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सुरक्षा जांच के आदेश के बाद ईमुद्रा शेयर 20 प्रतिशत तक फिसला

डिजिटल प्रमाणपत्र जारी करने वाली कंपनी ईमुद्रा का शेयर बृहस्पतिवार को करीब 20 प्रतिशत टूटकर 52 सप्ताह के निचले स्तर पर आ गया। सरकार के कंपनी में सुरक्षा संबंधी एक घटना की जांच के लिए विशेष दल गठित करने की घोषणा के बाद कंपनी के शेयर में भारी गिरावट आई है। एनएसई पर कंपनी का शेयर 19.91 प्रतिशत फिसलकर 346 रुपये प्रति शेयर पर आ गया। बीएसई पर कंपनी का शेयर 19.63 प्रतिशत टूटकर 346.85 रुपये प्रति शेयर पर रहा। गौरतलब



है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने ईमुद्रा में सुरक्षा संबंधी घटना की जांच के लिए एक विशेष दल गठित किया है। मंत्रालय के अनुसार, इस घटना का भारतीय वेबसाइट और ऐप पर असर बहुत सीमित रहा है। मंत्रालय ने बुधवार को बयान में कहा था कि यह घटना मुख्य रूप से ईमुद्रा के वैश्विक डिजिटल प्रमाणपत्र कारोबार से जुड़ी है। उसने कुछ सोशल मीडिया खातों पर घटना के असर को लेकर लोगों में डर फैलाने का आरोप भी लगाया। यह मामला तब सामने आया, जब भारतीय डिजिटल प्रमाणन प्राधिकरण ईमुद्रा ने खुलासा किया कि उसके डिजिटल प्रमाणपत्र से जुड़ी निजी सुरक्षा कुजियों (प्राइवेट की) की सुरक्षा प्रभावित हुई है। साइबर सुरक्षा एजेंसी भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन) ने भी इस संबंध में परामर्श जारी किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ईमुद्रा दो अलग-अलग क्षेत्रों में काम करती है। पहले क्षेत्र में डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) जारी करना और ई-हस्ताक्षर सेवाएं देना शामिल है। इनका नियमन मंत्रालय के तहत आने वाला भारतीय प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) करता है।

खेल

जलज सक्सेना ने रणजी ट्रॉफी में 35वीं बार 5 विकेट लेकर बिशन सिंह बेदी की बराबरी की

केरल की टीम ने रणजी ट्रॉफी में ओडिशा के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए पारी और 36 रन से जीत दर्ज की है। बुधवार को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बारिश की आशंका के बीच केरल ने आखिरी दिन महज 23 ओवर से कुछ ज्यादा समय में ओडिशा की दूसरी पारी समेट दी। इस जीत से केरल को 7 अहम अंक मिले। टीम की इस सफलता में अनुभवी ऑफ स्पिनर जलज सक्सेना की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने अपनी फिरकी से ओडिशा के बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। 39 साल के जलज सक्सेना ने दूसरी पारी में 18 ओवर गेंदबाजी करते हुए 34 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। यह रणजी ट्रॉफी में उनका 35वां पांच विकेट लेने का प्रदर्शन था। इसके साथ ही वह ट्रॉफीमेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार एक पारी में 5 विकेट लेने के मामले में महान गेंदबाज बिशन सिंह बेदी की बराबरी पर पहुंच गए हैं। दोनों अब इस सूची में संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं। ओडिशा

ऐसी 20वीं टीम बन गई है, जिसके खिलाफ जलज ने रणजी ट्रॉफी में पांच विकेट हासिल किए हैं। हालांकि, अपने इस खास रिकॉर्ड के बारे में पूछे जाने पर जलज ने इसे लेकर ज्यादा उत्साह नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि उन्हें बिशन सिंह बेदी के बराबर पहुंचने की जानकारी नहीं थी। जब उनसे पूछा गया कि रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड किसके नाम है, तो उन्होंने राजिंदर गोयल का नाम लिया। उनका जवाब सही था। बाएं हाथ के दिग्गज स्पिनर राजिंदर गोयल के नाम इस ट्रॉफीमेंट में 59 बार एक पारी में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। जलज की सफलता के पीछे खेल के प्रति उनका लगाव और लगातार मेहनत है। उन्होंने बताया कि उन्हें सफेद कपड़े पहनकर 4 दिन तक क्रिकेट खेलना पसंद है। मौजूदा सत्र से पहले उन्होंने अपनी फिटनेस पर खास ध्यान दिया। लंबे समय तक गेंदबाजी करने की क्षमता बढ़ाने के लिए उन्होंने पीठ और शरीर के बीच के हिस्से को मजबूत करने पर मेहनत की। ओडिशा की टीम आखिरी दिन 4 विकेट गंवाकर



पहले ही दबाव में थी। जलज के मुताबिक, उनकी रणनीति सरल थी। गेंद को सही जगह पर डालना और बल्लेबाजों से गलती करवाने का इंतजार करना। पिच से भी उन्हें मदद मिली और केरल ने जल्द ही जीत हासिल कर ली। हालांकि, उन्होंने इस सफलता का श्रेय पूरी टीम को दिया। बता दें कि केरल की जीत की नींव बल्लेबाजों ने रखी थी। सचिन

बेबी और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शतक लगाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था। इसके बाद गेंदबाजों ने ओडिशा पर दबाव बनाए रखा। जलज अभी भी अपने करियर में आगे बढ़ने की इच्छा रखते हैं। उनका कहना है कि अगर लंबे समय के लक्ष्य नहीं हों, तो रणजी ट्रॉफी खेलने का कोई मतलब नहीं है। वह लगातार अगले स्तर तक पहुंचने की कोशिश करते

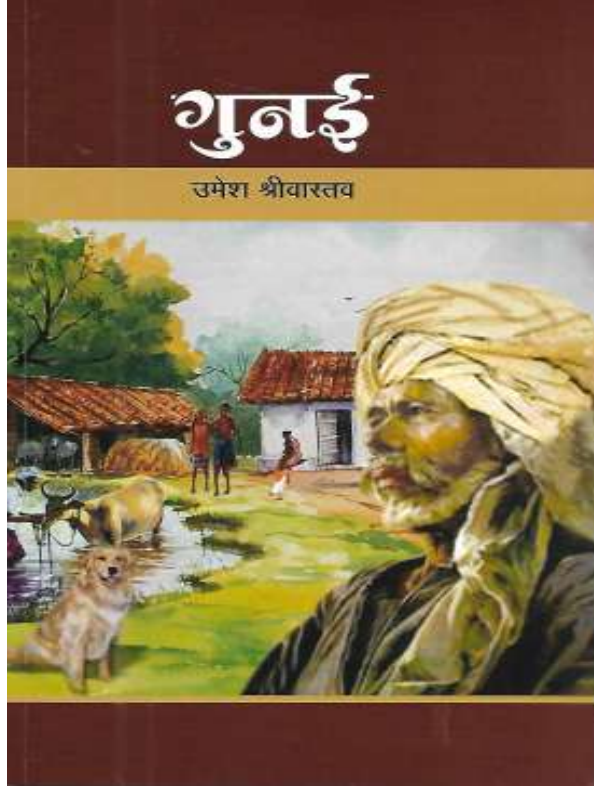
रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सचिन बेबी और अजहरुद्दीन जैसे खिलाड़ियों का भी लक्ष्य आईपीएल में खेलना और भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना है। जलज ने युवा ऑफ स्पिनर वैशाख चंद्रन की भी तारीफ की, जिन्होंने पिछले मुकाबले में झारखंड के खिलाफ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी की थी। उन्होंने कहा कि वैशाख के साथ गेंदबाजी करना अच्छा लगता है और वह

प्रतिभाशाली होने के साथ सीखने के लिए भी हमेशा तैयार रहते हैं। गौरतलब है कि दशहरा के उत्सवी माहौल में केरल की यह जीत टीम के लिए खास रही है। अब उसका अगला मुकाबला बंगाल से होना है। जलज का कहना है कि टीम फिलहाल एक समय में एक ही मैच पर ध्यान दे रही है और आगे की चुनौतियों के लिए अपनी तैयारी जारी रखे हुए हैं।

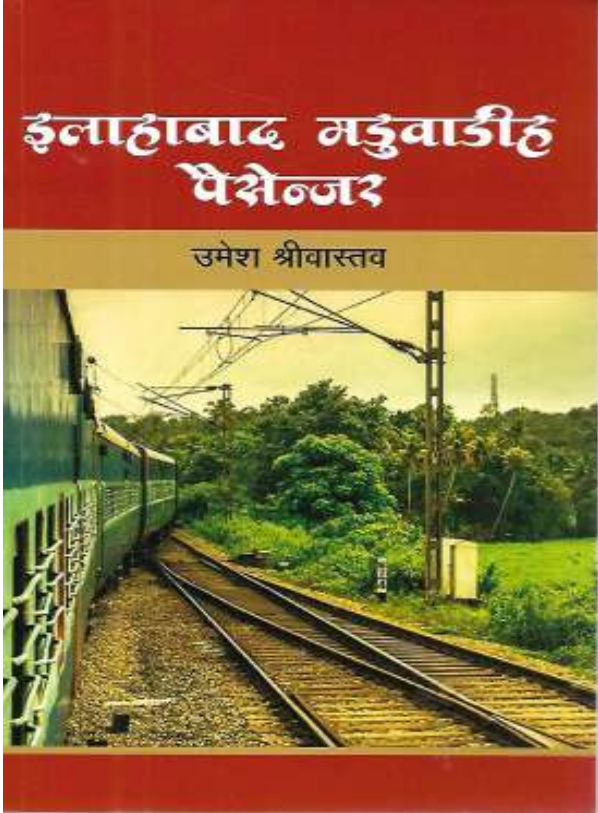
स्टीव स्मिथ ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पूरे किए 11000 टेस्ट क्रिकेट रन, बने 12वें बल्लेबाज

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने टेस्ट क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गकेबरहा में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दौरान उन्होंने 11,000 रन पूरे कर लिए। इस उपलब्धि के साथ स्मिथ टेस्ट क्रिकेट में यह आंकड़ा छूने वाले दुनिया के 12वें और ऑस्ट्रेलिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। हालांकि, उनके लिए यह दिन टीम के लिहाज से अच्छा नहीं रहा, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम पहली पारी में सिर्फ 99 रन पर सिमट गई। 37 वर्षीय स्मिथ ने सेंट जॉर्ज पार्क में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने 88 गेंदों पर 28 रन बनाए, जिसमें

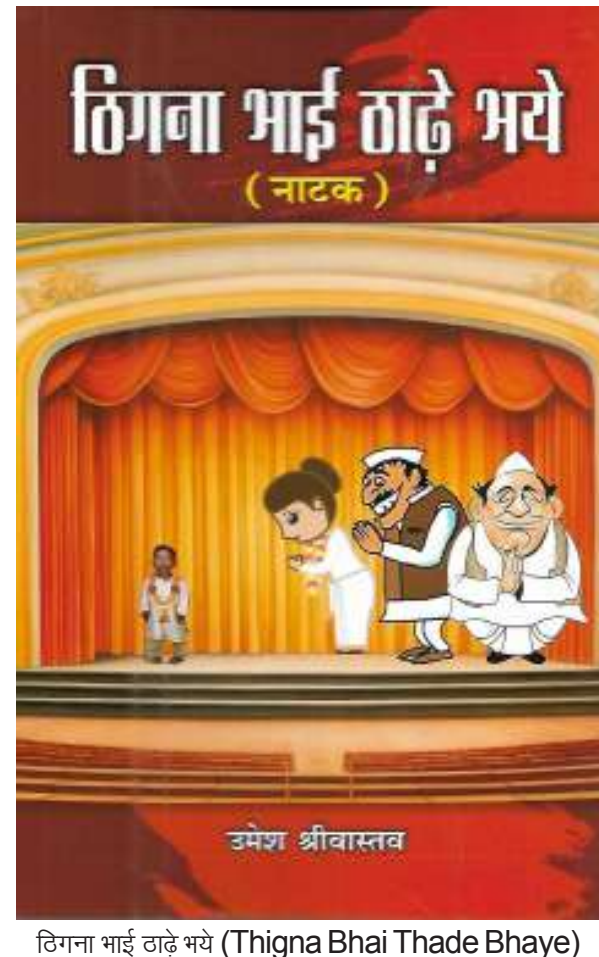
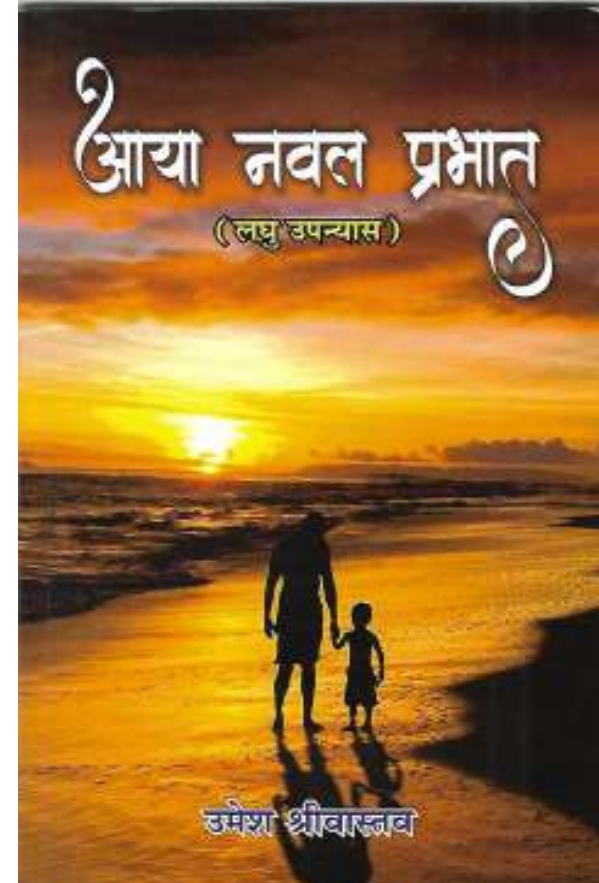
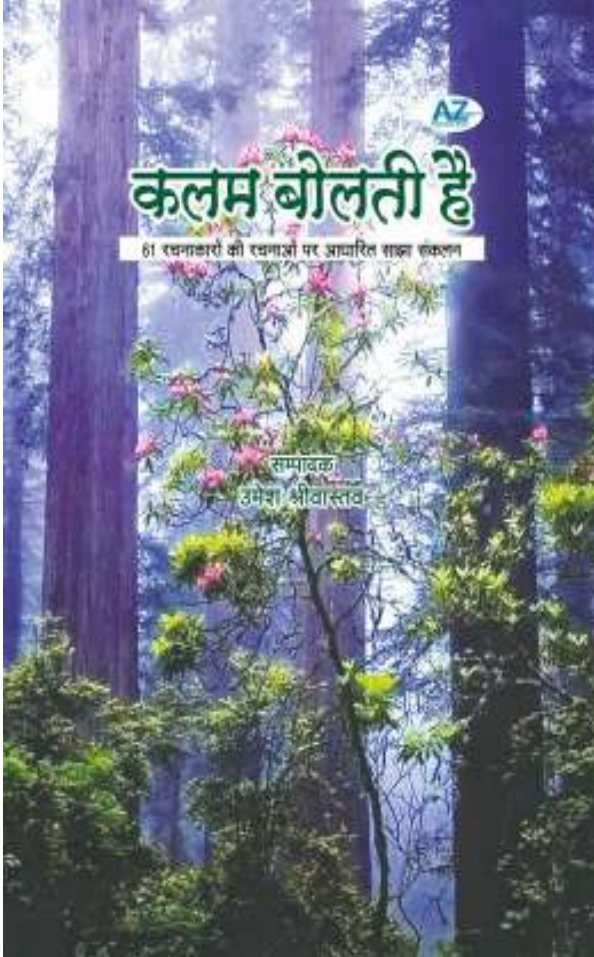
2 चौके शामिल रहे। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज वियान मुल्डर ने उन्हें बोल्ट करके उनकी पारी समाप्त कर दी। बता दें कि स्मिथ ने 11,000 टेस्ट रन पूरे करने के लिए 226 पारियां खेलीं और इस मामले में दुनिया के पांचवें सबसे तेज बल्लेबाज बन गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 11,000 रन बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के कुमार संगकारा के नाम है। उन्होंने केवल 208 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा इस सूची में 213 पारियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 222 पारियों में, जबकि भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर ने 223 पारियों



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेन्जर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

श्रीलंका में 2400 किलो केंदू पत्ते जब्त,
सात भारतीय नागरिक गिरफ्तार

श्रीलंकाई नौसेना ने देश में 2,400 किलोग्राम कंदू पत्तों को तस्करी की कोशिश के आरोप में सात भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। नौसेना ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। श्रीलंकाई नौसेना ने एक बयान में कहा, पश्चिमी नौसैनिक कमान से मिली पुख्ता सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया गया। श्रीलंका के जलक्षेत्र में प्रवेश कर चुर्कई दो संदिग्ध भारतीय नौकाओं और इलाके में मौजूद दो स्थानीय छोटी नौकाओं का पता चलने के बाद उन्हें रोका गया। बयान के अनुसार, निगरानी अभियान के दौरान बुधवार को पुल्लम जिले में उदयप्पुरा तट के पास भारतीय नौकाओं पर सवार सात भारतीय नागरिकों और छोटी नौकाओं पर सवार चार श्रीलंकाई नागरिकों को हिरासत में लिया गया। नौसेना ने बताया कि नौकाओं की तलाशी के दौरान 60 बोरियों में रखे करीब 2,400 किलोग्राम कंदू पत्ते बरामद किए गए। नौसेना ने कहा कि आरोपियों, जब नौकाओं और कंदू पत्तों को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए कोलंबो स्थित सीमा शुल्क निवारक कार्यालय को सौंपा जाएगा। कंदू पत्ते का इस्तेमाल बीड़ी बनाने में किया जाता है। ये पत्ते टिकाऊ होने के कारण तंबाकू लपेटने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाते हैं। व्यावसायिक रूप से निर्मित सिगरेट की ऊंची कीमतों के बीच सस्ती बीड़ियों की मांग पूरी करने के लिए इन पत्तों की श्रीलंका में तस्करी की जाती है। तस्कर तमिलनाडु और श्रीलंका के बीच स्थित उथल्ले समुद्री मार्ग पाक जलडमरूमध्य से छोटी नौकाओं के जरिए इन पत्तों को ले जाते हैं। इस तरह वे तंबाकू से संबंधित उत्पादों पर लगने वाले आयात शुल्क और सीमा शुल्क नियमों से बचने की कोशिश करते हैं।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में सात तेल टैंकरों पर हमला, इरान ने दी चेतावनी

ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि बृहस्पतिवार रात होर्मुज जलडमरूमध्य में निशाना बनाए जाने या समुद्री बारूदी सुरंगों की चपेट में आने के बाद सात तेल टैंकरों में आग लग गई और वे क्षतिग्रस्त हो गए। अगर इसकी पुष्टि हो जाती है, तो १८ फरवरी को ईरान के खिलाफ अमेरिका द्वारा संयुक्त हमले शुरू किए जाने के साथ ईरान युद्ध की शुरुआत के बाद से यह इस जलमार्ग में एक ही दिन में क्षतिग्रस्त हुए जहाजों की सबसे बड़ी संख्या होगी। ईरान की सरकारी रिपोर्ट में रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना के बयान का हवाला देते हुए कहा गया कि चार तेल टैंकरों पर उस समय हमला किया गया था। उनमें आग लग गई, जब वे तेल का हस्तांतरण कर रहे थे। वही, तीन अन्य टैंकर समुद्री बारूदी सुरंगों की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त हो गए और चलने में असमर्थ हो गए। रिपोर्ट में संभावित हताहतों या तेल टैंकरों के झंडों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। बयान में यह चेतावनी भी दी गई कि होर्मुज जलडमरूमध्य में "अंधे मार्गों" से तेल टैंकरों की आवाजाही की अनुमति देने के अमेरिका के किसी भी प्रयास के जवाब में रिवोल्यूशनरी गार्ड की कार्यवाही का दायरा बढ़ाकर क्षेत्र में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया जा सकता है। युद्ध शुरू होने के बाद से रिवोल्यूशनरी गार्ड खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को लगातार निशाना बनाता रहा है।

काले सूट पर दुपट्टा डाले ममदानी ने न्यूयॉर्क में
भारतीयों के साथ खेला गरबा, इलिनोइस मंदिर
हमले के प्रयास के बाद एकता का आह्वान

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने हिंदू समुदाय के लोगों के साथ नवरात्रि और दुर्गा पूजा के जश्न में शामिल होने के बाद, लोगों से नफरत के खिलाफ एकजुट होने और एक-दूसरे का ख्याल रखने की अपील की है। उनका यह बयान इलिनोइस के एक मंदिर में बड़े पैमाने पर गोलीबारी करने की कथित साजिश को अधिकारियों द्वारा नाकाम किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में ममदानी को भारतीय समुदाय के लोगों के



साथ गरबा करते हुए और न्यूयॉर्क सिटी के विभिन्न मंदिरों में प्रार्थनाओं तथा अन्य उत्सव संबंधी रीतियों में हिस्सा लेते हुए देखा जा सकता है। ममदानी ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा इस हफ्ते, मुझे क्वींस में हिंदू न्यूयॉर्कवासियों के साथ नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दशह्रा और विजयदशमी मनाने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा हमने गरबा किया, आरती की, सिंदूर खेला देखा और देवी दुर्गा का सम्मान किया। हमारे शहर के मंदिरों में खुशी, आस्था और समुदाय के साथ एक साथ आना सम्मान की बात थी। खासकर पिछले हफ्ते इतिनाइस के एक हिंदू मंदिर में हुई सामूहिक गोलीबारी की कोशिश के बाद। मेयर ने आगे कहा कि आइए, हम सब मिलकर नफरत के खिलाफ खड़े होने और एक-दूसरे का ख्याल रखने की अपनी साझा जिम्मेदारी निभाएं। जय माता की।

दक्षिण अफ्रीका के दो शहरों में 500 से अधिक लोगो पेट में ऐंठन और दर्दत जैसी समस्याएँ पैदा करने वाली जठरांत्र संबंधी बीमारी से पीड़ित हुए हैं। अधिकारियों ने इसके लिए पानी की खराब गुणवत्ता को जिम्मेदार ठहराया है। इस सप्ताह अधिकारियों ने राजधानी प्रिटोरिया के पूर्व में स्थित समुदायों के लोगों को नल का पानी पीना बंद करने की चेतावनी जारी की। यह चेतावनी 408 लोगों के बीमार पड़ने के बाद दी गई, जिनमें बच्चे शामिल हैं। इन सभी का विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज किया गया। देश के अन्य शहरों की तरह, राजधानी प्रिटोरिया और उसके आसपास के इलाकों में भी लंबे समय से पानी की रसच्छता को लेकर समस्याएँ रही हैं। यह मुद्दा अब भी राजनीतिक रूप से विवादोस्पद बना हुआ है। शहर के अधिकारी बुधवार को आपातकालीन टैंकों के जरिए निवासियों को पानी वितरित कर रहे थे, जबकि धर्मार्थ संगठन 'गिपट ऑफ द गिवर्स' ने



समुदाय के लोगों को बातलबंद पानी उपलब्ध कराया। बीमार पड़ने वालों में ज्यादातर चार साल से कम उम्र के बच्चे थे। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, प्रिटोरिया के पूर्व में स्थित कई समुदायों को पानी की आपूर्ति करने वाले जल शोधन संयंत्र से दूषित पानी पीने के कारण लोग बीमार पड़े। अधिकारियों ने पुष्टि की कि संयंत्र में लाभभंग नहीं सप्ताह से गयी था, जिससे वह पीने के लिए असुरक्षित हो

गया था। अधिकारियों ने कहा कि नगरपालिका को अपने नियमित आपूर्तिकर्ता से क्लोरिन प्राप्त करने में परेशानी हो रही थी। उन्होंने बताया कि इस संयंत्र को ब्रांखोस्टर्समूट नदी से पानी मिलता है, जो नदी के ऊपरी हिस्से में स्थित खराब तरीके से काम कर रहे अपशिष्ट जल शोधन संयंत्रों से निकलने वाले सीवेज के कारण बुरी तरह प्रदूषित है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि अधिकारियों ने पानी की खराब गुणवत्ता के

बारों में निवासियों को सूचित करने लगी कि या प्रिटोरिया और न्यूवैन शहर की मेयर नासिफ्री म्मोया ने कहा कि चाँच में पता चला है कि शहर के अधिकारी अप्रभावित इलाकों के लोगों को यह चेतावनी देने में विफल रहे हैं कि उन्नीस अर्पूति किया जा रहा पानी कल्लो रहित था। इसलिए इस पानी को पीना या उबालने के बाद भी खाना पकाने, कपड़े धोने या नहाने के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। विभिन्न राजनीतिक दलों ने पानी के

उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था और वे अंतर्परिसर में लौट आए हैं। कर्मचारियों और छात्रों परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह सतर्क रहने तथा पानी के सुरक्षित इस्तेमाल को संभालने और व्यक्तिगत स्वच्छता से जुड़े नियमों का पालन करने की अपील की गई। ग्वान्या ने कहा, "इन उपायों में पानी की उबालकर ठंडा करने के बाद पानी का बोतलबंद पानी का इस्तेमाल करना, खाना तैयार करने और दांत साफ करने के लिए सुरक्षित पानी का उपयोग करना, बर्फ और बिना उपचारित पानी से धोए गए कच्चे खाद्य पदार्थों से परहेज करना तथा नियमित रूप से साबुन पानी से हाथ धोना शामिल है।"

भारत दौरा पूरा कर खाना हुआ मार्को
रुबियो, आर्थिक और रणनीतिक
प्राथमिकताओं को बताया अहम

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो गुरुवार को भारत से रवाना हुए। उन्होंने कहा कि इस दौर का नतीजा इस क्षेत्र में भारत-अमेरिकी आर्थिक और रणनीतिक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाना रहा। एकस पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा अभी भारत से रवाना हुआ हूँ, इस क्षेत्र में हमारी आर्थिक और रणनीतिक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाया है। रुबियो ने आगे कहा कि आर्थिक साझेदारी और



ऊर्जा सुरक्षा सहयोग को लगातार मजबूत करने से दोनों देश अधिक सशक्त होते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी आर्थिक साझेदारी और ऊर्जा सुरक्षा सहयोग को लगातार आगे बढ़ाने से हमारे दोनों देश मजबूत होते हैं। यह बयान तब आया है जब रूबियो ने मुंबई में कुछ कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद, 21 अक्टूबर को अपनी भारत यात्रा पूरी की। उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब मुंबई दिल्ली और वाशिंगटन अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाने और ऊर्जा सहयोग का विस्तार करने के प्रयासों में जुटे हैं। मुंबई में रूबियो ने विदेश मंत्री अरव जयशंकर के साथ भारत-अमेरिकी रणनीतिक साझेदारी और प्रस्तावित व्यापार समझौते पर चल रही बातचीत में हुई प्रगति को लेकर चर्चा की। उन्होंने नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि भी दी; इस हमलों में छह अमेरिकी नागरिकों की जान चली गई थी। ऊर्जा सहयोग दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर उभरा है। इसमें ऊर्जा व्यापार, रूस से भारत द्वारा पेट्रोलियम का आयात, और अमेरिकी ऊर्जा संसाधनों की खरीद बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा शामिल रही। इस दौरे से अमेरिका में एक नई पेट्रोलियम प्रसंस्करण सुविधा में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा संभावित निवेश की ओर भी ध्यान गया। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने घरेलू ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने और रोजगार पैदा करने के प्रयासों के संदर्भ में इस संभावित परियोजना का जिक्र किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
 7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कहैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वा.मी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
 उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा
 कम्प्यूटेन्ड बिजनेस सर्विसेज,
 विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई
 लूकरगंज, इलाहाबाद से
 मुद्रित कराकर
 289/238ए,कर्नलगंज
 इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
 मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
 यूपीएचआईएन/2004/22466
 Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त
 समाचारों के चयन एवं सम्पादन
 हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत
 उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त
 विवाद इलाहाबाद न्यायालय के
 अधीन ही होंगे।

यूएस सैन्य ठिकानों तक फैल सकता है युद्ध,
IRGC Navy ने जारी की गंभीर चेतावनी



अपनी पूरी क्षमताओं का इस्तेमाल नहीं किया था, और युद्ध की तीव्रता के आधार पर वह अपनी जवाबी कार्रवाई का दायरा बढ़ावे के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले चरणों में अपनी सभी क्षमताओं का उपयोग नहीं किया था। युद्ध की तीव्रता के हिसाब से हम अपनी और क्षमताओं को मैदान में उतारेंगे, और हम अगले चरण के लिए तैयार हैं। रेजाई ने यह भी चेतावनी दी कि संघर्ष के जारी रहने से वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर दीर्घकालिक परिणाम पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात के जारी रहने के रणनीतिक परिणाम होंगे, जिसमें यह भी शामिल है कि अगले 3 सालों तक ऊर्जा बाजार शांत नहीं होंगे। उन्होंने आगे दावा

किया कि इस संघर्ष में क्षेत्रीय समीकरणों को ईरान के पक्ष में बदल दिया है, और खाड़ी देश तेहरान के साथ अपने संबंधों व पुनर्मित्यांकन कर रहे हैं। रेजाई ने कहा कि इस युद्ध के जारी रहने से संबंधों के समीकरण ईरान के पक्ष में बदल गए हैं, क्योंकि खाड़ी देश ईरान के साथ अपने रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि खाड़ी देशों ने ईरान के साथ अपने संबंधों को नए स्तर पर मजबूत करने के लिए ईरान के पक्ष में मौजूद अपने सैन्य टिकानों की सुरक्षा करने की अमेरिका की क्षमता पर सवाल उठाया शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, उन्हें अब लगने लगा है कि अमेरिकी सेना अपने खुद के टिकानों की रक्षा करने में भी सक्षम नहीं है, जबकि यही देश उम्मीद करते थे कि अमेरिका

अभी के लिए, हमें रुकना होगा...यूक्रेन का 25% हिस्सा रूस को सौंपने के लिए तैयार जेलेंस्की!

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की ने कहा है कि वह रूस के साथ शांति समझौते के लिए मौजूदा फ्रंटलाइन को शरीज़ (स्थायित्व) करने और फरवरी 2022 में शुरू हुए संघर्ष को खत्म करने के लिए तैयार हैं। जेलेन्स्की, जिनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा मौजूदा संघर्ष को खत्म करने के लिए कदम न उठाने को लेकर आलोचना की जा रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पास अपने देश का 75 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सा रहेगा, तो उन्होंने हाँ में जवाब दिया और कहा कि वह युद्धविराम के लिए तैयार हैं।

हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन को यह सुरक्षा गारंटी मिलनी चाहिए कि रूसी आक्रामकता और कब्जा फिर से नहीं होगा। जेर्लेंस्की

न कहे ही, अमा हम इस शफ्रीज करना हांगा, और मुझ लगता है कि इस युद्ध को खत्म करने का यही एक वास्तविक तरीका है। हम इसे युद्धविराम कहते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे शफ्रीज करना और रोकना कहा है। उन्होंने आगे कहा और जाहिर है, आज हमें रुस से कम से कम इतना तो चाहिए ही — इसके बाद हम राष्ट्रपति ट्रम्प और यूरोपीय देशों के पास जाएँगे और सुरक्षा गारंटी की माँग करेंगे।

न की रियोगिनि हेतु
पर प्रतिनिधित्व हेतु
ध कराई जाएगी

कर सक्ती है
यस

60482227

कार्यालय, प्रयागराज
पना भविष्य !

रुस जीत नहीं रहा है
भले ही जेलेंस्की ने परोक्ष रूप
से यह संकेत दिया हो कि वे रुस
के कब्जे वाले 25 प्रतिशत इलाके
को छोड़ने के लिए तैयार हैं,
लेकिन उन्होंने फिर दोहराया कि
इस संघर्ष में मॉस्को (रुस) जीत
नहीं रहा है। उन्होंने माना कि

यूक्रेन के लोग इस युद्ध से थक चुके हैं, लेकिन साथ ही यह भी



जोर देकर कहा कि वे अपने ही देश में रहना चाहते हैं और रूसियों के खिलाफ लड़ना जारी रखेंगे। फॉक्स एंड फ्रेंड्स कार्यक्रम में उन्होंने कहा वे युद्ध के मैदान में नहीं जीत रहे हैं। यही वजह है कि वे हम पर किसी न किसी तरह का दबाव डालकर हमें हमारी जमीन से हटाना चाहते हैं। यह सही नहीं है। लोग थक चुके हैं, और जाहिर है कि हम भी इस युद्ध को जल्द से जल्द खत्म करना चाहते हैं।

ट्रम्प और ज़ेलेंस्की के बीच बढ़ते मतभेद

शायद यह पहली बार है जब जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेन अपना खोया हुआ इलाका छोड़ने के लिए तैयार हो सकता है। हाल ही में, उन्होंने अमेरिका के शीर्ष दूतों स्टीव वितकॉफ और जरेड कुशनर से भी मुलाकात की थी, जिसमें संघर्ष को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा हुई। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में हुई अमेरिका-रूस तेल डील को लेकर ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच मतभेद बढ़ते दिख रहे हैं। जेलेंस्की ने इस कदम की आलोचना की है, लेकिन ट्रम्प ने पलटवार करते हुए कहा कि यूक्रेन को एक नए राष्ट्रपति की जरूरत है। इस पर जेलेंस्की के मंत्रियों ने जवाब दिया कि यूक्रेन के लोग अपने राष्ट्रपति का समर्थन कर रहे हैं और उन्हें ही अपना नेता बनाए रखना चाहते हैं।



आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

समस्त जनपदों में • तहसील • ब्लॉक / शहर में

भर्ती - निम्न पदों हेतु

- ✓ ब्यूरो प्रमुख
- ✓ चॉफ रिपोर्टर
- ✓ समावदाता
- ✓ प्रतिनिधि मण्डल

- समाचार संकलन एवं ब्यूरो संचालन हेतु
- क्षेत्रीय रिपोर्टर व समाचार कवरेज हेतु
- स्थानीय समाचार, घटनाओं की रिपोर्टिंग हेतु
- जिला/तहसील/ब्लॉक स्तर पर प्रतिनिधित्व हेतु

आकर्षक वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी

पाठ्यता एवं विवरण

• पत्रकारिता में रुचि रखने वाले अनुभवी/नवीन दोनों आवेदन कर सकते हैं

• स्थानीय खबरों की समझ और हिन्दी लेखन कौशलता आवश्यक

• सर्वकाल जुड़ने की क्षमता आवश्यक

संपर्क करें:

919005239332

919450482227

संपर्क करें: शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र कार्यालय, प्रयागराज

हमारे साथ जुड़ें और पत्रकारिता में बनाएं अपना भविष्य !